महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238

dainikmalwaherald@yahoo.com

malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 17 अंक : 18 | उज्जैन, रविवार 28 जून 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

लिखें वहीं, जिसके
निचे हस्ताक्षर
बेहिचक कर सके,
सोचे वहीं, जो
बेहिचक बोल सकें,
बोलें वहीं,
जिसका जवाब
बेहिचक सुन सकें

नव्य, दिव्य और भव्य सिंहस्थ के लिए तेजी से चल रही हमारी तैयारी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

करीब 40 करोड़ श्रद्धालु आएंगे, हर दिन करीब 4 करोड़ श्रद्धालु कर सकेंगे अमृत स्नान

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हर 12 साल में होने वाला सिंहस्थ भारत का ही नहीं, विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक मेला है। यह हमारी अपनी समृद्ध भारतीय संस्कृति, दर्शन, पीढ़ियों से चली आ रही विरासत, अटूट आस्था और हमारी आध्यात्मिक परम्पराओं का महासंगम है। इस धार्मिक उत्सव में मां ?शिप्रा के जल में स्नान करने से पापों का शमन होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम सिंहस्थ ~ 2028 को नव्य प्रारूप में भव्य, दिव्य और आध्यात्मिक बनाने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इसके लिए हमारी सभी तरह के प्रबंधन एवं तैयारियां तेजी से जारी हैं। हम सब मिलकर पूरी निष्ठा, लगन और समर्पण से काम करेंगे, तभी सिंहस्थ ~ सिंहस्थ-2028 एक नई मिसाल कायम करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को उज्जैन में %सिंहस्थ-2016 के अनुभव, 2028 का संकल्प% विषय पर हुई एक वृहद प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का विधिवत् शुभारंभ किया। कार्यशाला में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ ~ 2028 के महाआयोजन से जुड़े सभी प्रशासनिक, पुलिस, स्वास्थ्य, नगर निगम और अन्य निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों एवं अन्य प्रतिनिधियों से कहा कि सिंहस्थ केवल एक मेला नहीं, करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केन्द्र बिन्दु है। यह हमारी परम्पराओं, विरासत का भव्य प्रतीक है। इसकी गरिमा बनाए रखने हम सभी की जिम्मेदारी है। अधिकारी-कर्मचारी-स्वयंसेवी संगठन-जनप्रतिनिधि सभी लोग एक टीम की तरह सेवा भावना से कार्य करें, क्योंकि टीम वर्क ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने कहा ?कि ÷स्वच्छ सिंहस्थ, स्वस्थ सिंहस्थ÷ ही हमारा संकल्प है। सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन सेवाओं और त्वरित राहत व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उज्जैन और इसके आस-पास के सभी जिलों में वर्तमान में 25 हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत के विभिन्न श्रेणी के कई विकास कार्य चल रहे हैं। इन कार्यों के पूरा होने पर उज्जयिनी सम्राट विक्रमादित्य के काल का वैभव पुन~ प्राप्त कर धार्मिक, आध्यात्मिक और आर्थिक समृद्धि का एक नया अध्याय लिखेगी। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ ~ 2028 के दौरान करीब 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का उज्जैन आने का अनुमान है। शिप्रा के नवीन घाटों और मौजूदा घाटों पर 24 घंटे में लगभग 4 करोड़ श्रद्धालु अमृत स्नान कर सकेंगे। हमारी सरकार हर तरह के प्रबंध कर रही है ताकि सभी श्रद्धालु मां शिप्रा के जल से ही स्नान कर सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बदल रहा है। देशभर में धार्मिक पर्यटन को नई दिशा मिली है। विरासत से विकास का अनुष्ठान चल रहा है। हमारी धार्मिक और ऐतिहासिक नगरियां देश-दुनिया के श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं। उज्जैन काल और महाकाल की नगरी है। सौभाग्यशाली लोगों को ही उज्जैन आने का अवसर मिलता है। सिंहस्थ 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए उज्जैन में दूरगामी दृष्टि के साथ अधोसंरचना विकास के कार्य जारी हैं। यहां किए जा रहे कार्य परमात्मा के आशीर्वाद से हो रहे हैं। सिंहस्थ के सफल आयोजन के लिए हर बार पिछली चुनौतियों को लेकर मंथन हुआ है। यह कार्यशाला भी इसी उद्देश्य के लिए आयोजित की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 1980 के सिंहस्थ में उन्होंने स्वयं भी स्काउट एंड गाइड वॉलेंटियर के रूप में श्रद्धालुओं की सेवा की थी। वर्ष 1992 में सिंहस्थ समिति की बैठकों में शामिल होने का अवसर भी मिला। सिंहस्थ समितियों में हर वर्ग के अनुभवी लोगों को शामिल कर उनके सुझाव लिए जाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

500 रुपये की घड़ी और तीन दशक का इंतजार, सुप्रीम कोर्ट ने खत्म किया खूनी विवाद

नई दिल्ली/ जीएनएस। यह कहानी जितनी हैरान करने वाली है, उतनी ही सबक देने वाली भी है कि कैसे एक पल का गुस्सा पूरी जिंदगी को तबाह कर सकता है। साल 1997 में महज 500 रुपये की एक घड़ी को लेकर दो पड़ोसियों के बीच शुरू हुआ मामूली विवाद एक व्यक्ति की मौत और तीन परिवारों की बर्बादी का सबब बन गया। अब लगभग तीन दशकों (29 साल) के लंबे इंतजार के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने इस दर्दनाक आपराधिक मामले का पटाक्षेप किया है। मामूली बहस से बिछी लाश मामला उत्तराखंड के देहरादून का है। पद्म सिंह नाम के एक व्यक्ति ने अपने पड़ोसी मनुआ को 500 रुपये में एक घड़ी बेची थी। मनुआ को घड़ी पसंद नहीं आई और उसने उसे वापस करने की कोशिश की। इसी बात पर दोनों में बहस शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ा कि मनुआ के साथ रामू और मथु भी शामिल हो गए। उन्होंने एक सूखे नहर के किनारे खड़े पद्म सिंह पर हमला कर दिया। मथु ने पद्म सिंह के सिर पर भारी पत्थर से वार किया, जिससे वह संतुलन खोकर सूखी और पथरीली नहर में गिर गए। अस्पताल ले जाने पर उन्होंने दम तोड़ दिया। इंसाफ की कगार पर थमी जिंदगी साल 2002 में देहरादून की स्थानीय अदालत ने तीनों को गैर-इरादतन हत्या का दोषी मानते हुए पांच साल की कठोर सजा सुनाई। 2012 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद हाईकोर्ट के फैसले को 2012 में ही सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। जस्टिस उज्ज्वल भुइयां और जस्टिस अरुण पल्ली की पीठ ने इस मामले पर फैसला सुनाते हुए मानवीय पहलू को सर्वोपरि रखा। इसने पाया कि इस लंबी कानूनी लड़ाई के दौरान तीन में से दो दोषियों की मौत हो चुकी है। इकलौता जीवित बचा दोषी, मथु, जो घटना के वक्त 33 साल का नौजवान था, आज 60 साल से अधिक का बुजुर्ग हो चुका है। कोर्ट ने माना कि सिर की चोटें सूखी नहर के पथरीले धरातल पर गिरने की वजह से लगी थीं। मथु पहले ही डेढ़ साल की जेल काट चुका है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट ने उसकी दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए, पांच साल की सजा को उसके द्वारा पहले से काटी गई डेढ़ साल की अवधि में बदल दिया और कानूनी कार्यवाही को हमेशा के लिए बंद कर दिया।

केतन का सिर कुचला हुआ था... लोग रो रहे थे, सिया शांत थी, रेस्क्यू टीम के सदस्य का दावा

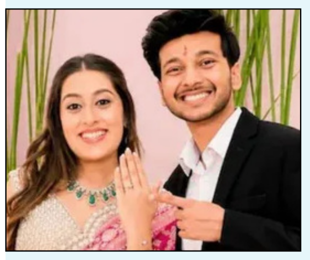

पुणे/ जीएनएस। केतन मर्डर केस में हर रोज नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। केतन की रेस्क्यू करने वाली टीम के सदस्य सुनील गायकवाड़ ने दावा किया है कि केतन की खोपड़ी कुचली हुई थी, उसके सिर पर गंभीर चोटें थीं और हाथ-पैर भी कई जगह चोट थीं। उन्होंने कहा कि वहां मौजूद बाकी लोग मदद के लिए चिल्ला रहा थे, लोग रो रहे थे लेकिन सिया गोयल शांत खड़ी थी। गायकवाड़ ने बताया कि शव को जंगल के रास्ते बाहर लाया गया। 18 जून की सुबह 10~30 बजे घटना की जानकारी पुलिस को मिली थी। रेस्क्यू ऑपरेशन दोपहर 12~30 तक चला और करीब 1~30 बजे शव एंबुलेंस में पहुंचाया गया था। पुलिस ने सिया के भाई साहिल गोयल से करीब 10 घंटे पूछताछ की। पुलिस के मुताबिक, साहिल चेतन को जानता था। उनसे बताया कि चेतन और सिया की दोस्ती क्रिकेट मैच के दौरान हुई थी। साहिल गोयल ने पुलिस को बताया कि लिया उसके साथ क्रिकेट मैच देखने जाती थी और वहीं पहली बार चेतन से मुलाकात हुई थी। पुलिस के मुताबिक, बाद में पिछले साल एक कॉमन दोस्त की दीवाली पार्टी में वे फिर मिले, जिसके बाद वे दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए।

कोटा में प्रसव के बाद हुई मौतों के कारण फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर का लाइसेंस रद

नई दिल्ली/ जीएनएस। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत सरकार से कोटा के सरकारी अस्पतालों में एक फार्मा डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा नकली आक्सीटोसिन इंजेक्शन की कथित सप्लाई के बारे में जानकारी मांगी है। इन इंजेक्शनों के इस्तेमाल से मई में सिजेरियन डिलीवरी के बाद पांच महिलाओं की मौत हो गई थी।

सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) और संबंधित राज्यों के ड्रग रेगुलेटर्स की संयुक्त जांच के बाद पंजाब और हिमाचल प्रदेश में जैक्सन लेबोरेटरीज की यूनिट्स के मैन्युफैक्चरिंग लाइसेंस रद कर दिए गए।

सरकार की यह कार्रवाई कोटा के कुछ अस्पतालों में प्रसव के बाद महिलाओं की मौत और संक्रमण की खबरों की जांच के बीच हुई है। इन मौतों का संबंध कंपनी द्वारा बनाए गए ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन से जोड़ा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने स्पष्ट किया कि यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम का पता लगाने के लिए की गई एक सामान्य बातचीत थी और इसे उत्पाद या निर्माता के खिलाफ किसी निष्कर्ष के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार ने मामले की सच्चाई का पता लगाने के लिए राजस्थान सरकार से भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

अधिकारियों के अनुसार, सीडीएससीओ ने पंजाब और हिमाचल प्रदेश के ड्रग रेगुलेटर्स के साथ मिलकर जैक्सन लेबोरेटरीज की मैन्युफैक्चरिंग सुविधाओं की विस्तृत जांच की, ताकि गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेज के नियमों के पालन का आकलन किया जा सके।

क्या है त्याग चक्र? जहां ऑपरेशन सिंदूर के 6 वीर सपूतों का नाम सुनहरे अक्षरों में होगा दर्ज

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार ने देश की रक्षा के लिए ऑपरेशन सिंदूर में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले 6 जांबाज सैनिकों के नामों की पहली बार आधिकारिक घोषणा कर दी है। इनमें भारतीय थल सेना के पांच और वायु सेना का एक जवान शामिल है। इन शूरवीरों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के रोल ऑफ ऑनर में शामिल कर लिए गए हैं।

जल्द ही, इन अदम्य साहसी जवानों के नाम दिल्ली स्थित स्मारक के त्याग चक्र की ग्रेनाइट दीवारों पर स्वर्ण अक्षरों में उकेरे जाएंगे। आइए जानते हैं इन वीर सपूतों की शौर्य गाथा और क्या है यह त्याग चक्र जहां इनका नाम हमेशा के लिए अमर हो जाएगा।

राजधानी दिल्ली के इंडिया गेट परिसर में स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल चार अलग-अलग संकेंद्रित चक्रों में बंटा हुआ है। इनमें से एक प्रमुख चक्र है त्याग चक्र। यह उन वीर जवानों को समर्पित है, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राण न्यौछावर किए।

त्याग चक्र का डिजाइन महाभारत के प्रसिद्ध चक्रव्यूह से प्रेरित है। इसके पीछे का विचार सैनिकों के उस अदम्य साहस और युद्ध कौशल को दर्शाना है, जो उन्हें विपरीत परिस्थितियों में भी मैदान में डटे रहना सिखाता है।

एनओसी की शर्त खत्म, लेकिन वेरिफिकेशन जरूरी... डॉक्टरों के रजिस्ट्रेशन को लेकर दो राज्यों के अलग नियमों पर बहस तेज

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश में डॉक्टरों को प्रैक्टिस करने की अनुमति देने के मामले में दो राज्यों ने दो बिल्कुल अलग-अलग मॉडल अपनाए हैं। जहां आंध्र प्रदेश ने अंतर-राज्यीय प्रैक्टिस को बेहद आसान बना दिया है, वहीं महाराष्ट्र ने वेरिफिकेशन सुरक्षा उपायों को बरकरार रखा है।

दोनों राज्यों के इन फैसलों ने देश में डॉक्टरों के लिए एक नेशनल रजिस्ट्रेशन फ्रेमवर्क बनाने की बहस को एक बार फिर हवा दे दी है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने डॉक्टरों को बड़ी राहत देते हुए एक बड़ा फैसला लिया। सरकार ने घोषणा की कि देश के किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश की मेडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड डॉक्टर बिना किसी अलग रजिस्ट्रेशन या नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट के आंध्र प्रदेश में प्रैक्टिस कर सकते हैं। राज्य के डियरेगुलेशन रिफॉर्म्स के तहत उठाए गए इस कदम का उद्देश्य उस पुरानी व्यवस्था को खत्म करना है, जिसके कारण एक से दूसरे राज्य में जाने वाले डॉक्टरों को लंबे समय तक इंतजार करना पड़ता था।

हालांकि, आंध्र प्रदेश मेडिकल काउंसिल के सदस्य डॉ. डग्गुमाटी श्रीहरि राव ने स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि डॉक्टरों पर कोई निगरानी नहीं रहेगी।

सीबीएसई के लाखों छात्रों को मिली फौरी राहत, कक्षा 10 तक दो भाषाओं के साथ जारी रख सकेंगे पढ़ाई

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने सीबीएसई में दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाएं पढ़ने की अनिवार्यता के विवाद पर फिलहाल विराम लगाते हुए इस सत्र में लाखों छात्र-छात्राओं को छूट प्रदान की है।

सीबीएसई के अधिकारियों ने बताया कि त्रि-भाषा नीति के तहत दो विदेशी भाषाओं का विकल्प चुनने वाले कक्षा सात से कक्षा नौ तक के विद्यार्थियों को कक्षा दस में भी उसी भाषा-संयोजन के साथ पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जाएगी।

शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि दो भारतीय भाषाओं को पढ़ने की अनिवार्यता कक्षा-छह से लागू की जाएगी। इसलिए इस समय कक्षा-सात, आठ और नौ में पढ़ रहे विद्यार्थियों को तीन भाषाएं पढ़ने के नियम से फिलहाल छूट मिलेगी। उल्लेखनीय है कि एक महीने पहले केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने घोषणा की थी कि दो भारतीय भाषाओं समेत तीन भाषाओं का अध्ययन कक्षा-नौ के छात्रों के लिए एक जुलाई से अनिवार्य कर दिया गया है। कई छात्रों और अभिभावकों ने सीबीएसई के आदेश के खिलाफ अदालत का रुख किया था।

बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, ÷नई भाषा नीति के तहत कम से कम दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन करने की आवश्यकता कक्षा-छह से लागू होगी और यह पहले से कक्षा सात से नौ में पढ़ाई कर रहे छात्रों पर लागू नहीं होगी। इसकी स्पष्टता के लिए एक आधिकारिक अधिसूचना जल्द ही जारी की जाएगी।

बोर्ड ने मई में कहा था कि जब तक समर्पित आर3 पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध नहीं हो जातीं, कक्षा नौ के छात्रों को चुनी हुई भाषा की कक्षा छह की आर3 पाठ्यपुस्तकें (2026-27 संस्करण) का उपयोग करना होगा।

अब पर्सनल हेल्थ रिकॉर्ड का डिजिटल साथी 29 जून को होगा लॉन्च

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत की डिजिटल स्वास्थ्य सेवा में एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा 29 जून (सोमवार) को आरोग्य सेतु एप के नए संस्करण (आरोग्य सेतु 2.0) को लांच करेंगे। कोरोना काल में देश को महामारी से बचाने वाला यह कान्टैक्ट-ट्रेसिंग एप अब पूरी तरह बदलकर देशवासियों के लिए पर्सनल हेल्थ रिकार्ड का एक मजबूत और विश्वसनीय डिजिटल प्लेटफार्म बनने जा रहा है।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत यह एप अब देश के लगभग 20 करोड़ उपयोगकर्ताओं को एक ही जगह पर तमाम स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराएगा। एआई तकनीक से सजेगा सेहत का लेखा-जोखा नए आरोग्य सेतु एप की सबसे बड़ी खासियत इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल है। इसकी मदद से उपयोगकर्ता अपनी पुरानी लैब रिपोर्ट्स, पीडीएफ या तस्वीरों को आसानी से डिजिटल रिकार्ड में बदल सकेंगे, जिससे उनका एक पर्सनल हेल्थ डैशबोर्ड तैयार हो जाएगा।

एप के जरिये लोग अपना आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) अकाउंट बना सकेंगे और अस्पतालों में स्कैन एंड शेयर की सुविधा से मिनटों में डिजिटल रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे।

इसके अलावा, स्मार्टवाच और अन्य वियरेबल डिवाइसेस को एप से जोड़कर दिल की धड़कन, ब्लड ग्लूकोज, कैलोरी और रोजाना के कदमों को भी ट्रैक किया जा सकेगा। एक ही एप में बीमा वालेट और इमरजेंसी सेवाएं इस नए वर्जन में पारदर्शिता का भी पूरा ख्याल रखा गया है।

इसमें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) वॉलेट जोड़ा गया है, जिससे आयुष्मान योजना के लाभार्थी अपने परिवार के खर्च और बचे हुए स्वास्थ्य कवर की जानकारी देख सकेंगे। यही नहीं, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के कर्मियों और निजी बीमा धारकों को भी अपनी पालिसी व क्लेम की जानकारी यहां मिलेगी।

इमरजेंसी और रोजमर्रा की जरूरत के लिए एप में जीपीएस आधारित हास्पिटल, क्लिनिक और डॉक्टर सर्च की सुविधा है। साथ ही, ई-रक्तकोष के जरिये ब्लड बैंकों में खून की उपलब्धता देखने और एम्बुलेंस बुक करने की सुविधा भी जोड़ी गई है।

सुरक्षा के लिहाज से इसमें कंसेंट मैनेजमेंट सिस्टम है, यानी यूजर की मर्जी के बिना उसका हेल्थ डाटा किसी से शेयर नहीं किया जा सकेगा। यह एप अब हर भारतीय परिवार के लिए डिजिटल सुरक्षा कवच बनने को तैयार है।

फरार TMC नेता इंद्रजीत सरदार हथियारों के साथ गिरफ्तार, थाने के बाहर अंडों की बौछार

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग इलाके में उस समय भारी तनाव फैल गया, जब जबरन वसूली और चुनावी हिंसा के आरोपित तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता इंद्रजीत सरदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया।

विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही फरार चल रहे इटखोला ग्राम पंचायत के उप-प्रधान इंद्रजीत को गुरुवार शाम कोलकाता से अवैध हथियार और कारतूस के साथ दबोचा गया था।

शुक्रवार को जब पुलिस उन्हें कैनिंग थाने से अदालत ले जाने के लिए निकली, तो बाहर मुस्तैद भाजपा कार्यकर्ताओं और आम जनता के गुस्से का ज्वालामुखी फूट पड़ा। थाने के बाहर जमा भीड़ ने तृणमूल नेता को घेरकर चोर-चोर के नारे लगाए। खुद को बचाने के लिए जब इंद्रजीत पुलिस वैन की तरफ भागे, तो प्रदर्शनकारियों ने उनके सिर और शरीर पर कच्चे अंडों की बौछार कर दी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल को काफी मशक्कत करनी पड़ी। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इंद्रजीत इलाके में अपनी दबंगई के लिए कुख्यात थे और वे अवैध वसूली, कट-मनी, मारपीट तथा हथियारों की तस्करी में सीधे तौर पर संलिप्त थे।

उन पर 2021 के चुनाव के बाद हुई हिंसा के भी कई संगीन मामले दर्ज हैं। पुलिस अब उन्हें रिमांड पर लेकर उनके आपराधिक नेटवर्क और अवैध हथियारों के स्रोत की जांच कर रही है।

नामांतरण घोटाले की जांच लोकायुक्त से कराने की मांग, कांग्रेस ने महापौर पर साधा निशाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चिंटू चौकसे और नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट ने शुक्रवार को संयुक्त पत्रकार वार्ता में नगर निगम में सामने आए कथित नामांतरण घोटाले को लेकर महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस नेताओं ने पूरे मामले की जांच लोकायुक्त से कराने और दोषियों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की।

पत्रकार वार्ता में चिंटू चौकसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम में सैकड़ों संपत्तियों का नामांतरण बिना आवश्यक दस्तावेजों के दूसरे लोगों के नाम पर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह कोई साधारण अनियमितता नहीं, बल्कि सुनियोजित भ्रष्टाचार का मामला है। उनके अनुसार इस पूरे घटनाक्रम की जिम्मेदारी महापौर के साथ तत्कालीन संबंधित अधिकारियों पर भी तय की जानी चाहिए।

चौकसे ने दावा किया कि इस कथित नामांतरण प्रक्रिया में करोड़ों रुपये की रिश्वत का लेन-देन हुआ है। उन्होंने कहा कि मामले में केवल अधिकारियों की ही नहीं, बल्कि जिन लोगों के नाम पर कथित रूप से अन्य व्यक्तियों की संपत्तियां दर्ज की गईं, उनकी भूमिका की भी जांच होनी चाहिए। उनका कहना था कि यदि ऐसे लोगों से पूछताछ की जाए तो पूरे नेटवर्क का खुलासा हो सकता है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि नगर निगम में अनियमितताओं के मामलों में कार्रवाई के बजाय नोटिस और विभागीय जांच के नाम पर दोषियों को बचाने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने कहा कि टैक्स वसूली से जुड़े मामलों में भी जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर कार्रवाई हुई थी, उन्हें बाद में दोबारा महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप दी गईं, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल खड़े होते हैं।

पत्रकार वार्ता में कर्बला मेले को लेकर भी कांग्रेस ने महापौर परिषद के निर्णय पर सवाल उठाए। चौकसे ने कहा कि अधिकारियों ने संवेदनशीलता का परिचय देते हुए मेले की अनुमति निरस्त करने का आदेश जारी नहीं किया। उन्होंने कहा कि बाद में न्यायालय द्वारा महापौर परिषद के संकल्प को निरस्त किया जाना इस बात का संकेत है कि निर्णय पर्याप्त कानूनी और प्रशासनिक विचार के बिना लिया गया था। कांग्रेस का आरोप है कि इस तरह के निर्णय शहर के सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं।

कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार से मांग की कि नगर निगम के कथित नामांतरण घोटाले की निष्पक्ष जांच लोकायुक्त से कराई जाए और दोषी पाए जाने वाले सभी अधिकारियों एवं संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

बड़वानी में एसिड अटैक की शिकार चार साल की मासूम का निजी अस्पताल में उपचार कराने का इंदौर हाई कोर्ट ने दिया आदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़वानी जिले में एसिड अटैक की शिकार हुई चार वर्षीय बच्ची का उपचार निजी अस्पताल में होगा। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने इस संबंध में प्रस्तुत याचिका में अंतरिम राहत देते हुए बच्ची को तत्काल एडमिट कर उपचार शुरू करने के आदेश दिए हैं। उपचार का खर्च आयुष्मान भारत योजना और आवश्यकता पड़ने पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा।

एसिड अटैक में चार वर्षीय बच्ची, उसका छह वर्षीय भाई और उनकी मां गंभीर रूप से झुलस गए थे-एडवोकेट शन्नो शगुफ्ता खान ने बताया कि 29 मई को हुए एसिड अटैक में चार वर्षीय बच्ची, उसका छह वर्षीय भाई और उनकी मां गंभीर रूप से झुलस गए थे। उपचार बड़वानी जिले के राजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया, लेकिन वहां पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के कारण हमने बेहतर इलाज की मांग करते हुए याचिका दायर की। मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़ितों को लंबे समय तक विशेष इलाज की आवश्यकता है

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से प्रस्तुत मेडिकल रिपोर्ट में कहा गया कि पीड़ितों को लंबे समय तक विशेष इलाज की आवश्यकता है, जो इंदौर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में उपलब्ध है। इस पर एडवोकेट खान ने अस्पताल के बर्न वार्ड के फोटोग्राफ प्रस्तुत कर वहां की सफाई और रखरखाव की स्थिति पर सवाल उठाए।

दोनों मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलसे हैं- उन्होंने कोर्ट को बताया कि डाक्टरों की समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा गया कि दोनों मासूम बच्चे गंभीर रूप से झुलसे हैं। उनका उचित उपचार नहीं किया गया तो मेडिकल जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इस पर कोर्ट ने पीड़ित बच्ची को तत्काल किसी बड़े निजी अस्पताल में भर्ती करने के आदेश दिए।

परिवार से किसी प्रकार का भुगतान नहीं मांगा जाएगा-अस्पताल उपचार का पूरा रिकॉर्ड रखेगा और परिवार से किसी प्रकार का भुगतान नहीं मांगेगा। खर्च की प्रतिपूर्ति आयुष्मान योजना से की जाएगी।

पूर्वी क्षेत्र में झमाझम बरसा पानी, अगले दो दिन बारिश होने की संभावना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून के सक्रिय होते ही शहर में बारिश का दौर लगातार जारी है। शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन बारिश ने शहर को भिगो दिया। सुबह से ही मौसम सुहाना बना रहा। आसमान में बादल छाए रहे और उमस बढ़ने लगी। दोपहर बाद शहर के अलग-अलग हिस्सों में बारिश शुरू हुई। कहीं तेज तो कहीं रुक-रुककर पानी गिरा।

शहर के पूर्वी क्षेत्र में बारिश का असर ज्यादा देखने को मिला। रीगल, मालवा मिल, छावनी, नवलखा सहित आसपास के इलाकों में दोपहर करीब दो बजे से बारिश शुरू हुई। सवा तीन बजे तक करीब 9 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश तेज हो गई। महज 45 मिनट में 23 मिमी पानी गिर गया। पूर्वी क्षेत्र में करीब दो घंटे के दौरान 32 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जबकि पश्चिमी क्षेत्र में बारिश का असर कम रहा। एरोड्रम, कालानी नगर, मरीमाता सहित आसपास के इलाकों में रुक-रुककर बारिश होती रही। एयरपोर्ट स्थित मानसून केंद्र पर केवल 4.2 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई। अब तक यहां मानसून की बारिश 13.8 मिमी दर्ज की जा चुकी है।

आने वाले दो दिनों में प्रदेश के कई जिलों में मौसम सक्रिय रहने की संभावना है- दूसरी ओर पूर्वी क्षेत्र में 26 जून तक 139 मिमी पानी गिर चुका है।अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब एक डिग्री अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। दिनभर पूर्वी दिशा से हवा चलती रही, जिसकी रफ्तार करीब 13 किलोमीटर प्रति घंटे रही।

इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग पर सिमरोल में फ्लाईओवर का काम सितंबर तक होगा पूरा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग पर सफर करने वाले लोगों को सिमरोल फ्लाईओवर के लिए अभी कुछ समय और इंतजार करना पड़ेगा। पहले इस फ्लाईओवर को जुलाई तक पूरा किया जाना था, अब इसके सितंबर तक तैयार होने की संभावना है। इसके बाद ही दोनों तरफ से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह शुरू हो सकेगी। फिलहाल निर्माण एजेंसी मेघा इंजीनियरिंग फ्लाइओवर के साथ-साथ सर्विस रोड की मरम्मत का काम भी तेजी से कर रही है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने निर्माण एजेंसी को करीब 50 दिनों में काम पूरा करने के निर्देश दिए हैं। इसी वजह से काम की रफ्तार बढ़ा दी गई है। हालांकि बारिश के कारण कुछ काम प्रभावित हुआ है। सिमरोल फ्लाईओवर का करीब 20 प्रतिशत काम अभी बाकी है। यहां सड़क पर सीमेंट की एक और परत बिछाई जानी है। साथ ही आसपास की सर्विस रोड, चोरल और महू जाने वाले रास्तों की भी मरम्मत की जा रही है। सड़कों के गड्ढे भरने का काम चल रहा है ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो।

इंदौर-खंडवा-एदलाबाद राजमार्ग करीब 216 किलोमीटर लंबा है। इस परियोजना को लगभग साढ़े तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन चार साल से ज्यादा समय बीतने के बाद भी पूरा काम खत्म नहीं हो पाया है। इसके बावजूद राजमार्ग के कई हिस्सों में सुविधा बढ़ी है।तेजाजी नगर से दतोदा के बीच बने तीन चमेलीदेवी, चौखीढाणी और दतोदा फ्लाइओवर अब तैयार हो चुके हैं। इन पर वाहनों की आवाजाही भी शुरू हो गई है।

होलकर स्टेडियम में क्रिकेट के साथ गूंजा साइबर सुरक्षा का संदेश, 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान से दर्शकों को किया जागरूक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट लगातार नवाचारों के माध्यम से लोगों तक साइबर सुरक्षा का संदेश पहुंचा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को होलकर स्टेडियम में आयोजित एमपीएल क्रिकेट मैच के दौरान हजारों दर्शकों और खिलाड़ियों को साइबर अपराधों से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

पुलिस उपायुक्त जोन-3 श्री अभिषेक रंजन ने मैच की सुरक्षा व्यवस्थाओं के निरीक्षण के दौरान एक अभिनव पहल करते हुए स्टेडियम की विशाल एलईडी स्क्रीन पर सेफ क्लिक 2.0 अभियान का साइबर जागरूकता वीडियो प्रसारित कराया। क्रिकेट के रोमांच के बीच प्रदर्शित इस संदेश के माध्यम से दर्शकों और खिलाड़ियों को डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, ऑनलाइन बैंकिंग फ्रॉड, क्यूआर कोड स्कैम, सोशल मीडिया हैकिंग, फिशिंग लिंक और ओटीपी धोखाधड़ी जैसे बढ़ते साइबर अपराधों से सतर्क रहने की जानकारी दी गई।

वीडियो संदेश में नागरिकों से अपील की गई कि वे किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी के साथ साझा न करें तथा सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग पूरी सावधानी और सतर्कता के साथ करें।

इंदौर पुलिस ने लोगों को यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर अपराध का शिकार होता है तो वह तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930, राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल www.cybercrime.gov.in अथवा इंदौर पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049124445 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करा सकता है।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से सोचें, समझें और फिर क्लिक करें का संदेश देते हुए अपील की कि सेफ क्लिक की आदत अपनाकर स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को भी साइबर अपराधों से सुरक्षित रखें। पुलिस का संदेश है– सतर्क रहें, सुरक्षित रहें।

साइबर सुरक्षा का संदेश लेकर सड़कों पर उतरेगा इंदौर, 28 जून को निकलेगी 'सेफ क्लिक 2.0' साइक्लोथॉन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बढ़ते साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा रविवार, 28 जून को सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत साइबर जागरूकता साइक्लोथॉन का आयोजन किया जाएगा। Pedal for Safety, Pedal for Awareness थीम पर आयोजित इस साइकिल रैली के माध्यम से शहरवासियों को साइबर सुरक्षा का संदेश दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित SafeClick 2.0 अभियान के अंतर्गत इंदौर पुलिस लगातार विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इसी क्रम में आयोजित होने वाली साइक्लोथॉन रविवार सुबह 6 बजे पलासिया चौराहे स्थित आई लव इंदौर सेल्फी प्वाइंट से प्रारंभ होगी।

इस आयोजन में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ शहर के नागरिक, युवा, विद्यार्थी, सामाजिक संगठन तथा विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे। प्रतिभागी साइकिल रैली के माध्यम से लोगों को साइबर अपराधों से सतर्क रहने और सुरक्षित डिजिटल जीवन अपनाने का संदेश देंगे।

इंदौर पुलिस के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन तक यह संदेश पहुंचाना है कि सुरक्षित क्लिक, सुरक्षित जीवन ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। डिजिटल दुनिया में सतर्कता और जागरूकता ही सुरक्षित ऑनलाइन जीवन की सबसे बड़ी कुंजी है।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने शहरवासियों से इस जन-जागरूकता अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। पुलिस का कहना है कि नागरिकों की सहभागिता से ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूक, सुरक्षित और सशक्त इंदौर का निर्माण संभव है।

पुलिस ने लोगों से आह्वान किया है कि वे स्वयं भी साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करें और दूसरों को भी डिजिटल ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी और अन्य साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक करें।

आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। इस क्रम में कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व एवं ADEO जहांगीर खान तथा वृत्त- बालदा कॉलोनी उप-निरीक्षक प्रियंका रानी चौरसिया एवं टीम के गत दिवस दशहरा मैदान रोड से दो पहिया वाहन क्रमांक-MP09-UD-6294 एक्टिवा स्कूटर गाड़ी को रुकवा कर तलाशी लेने पर 12 बोतल बैक वेंचर की विदेशी मदिरा व्हिस्की (कुल 9 बल्क लीटर) बरामद किया गया, जो अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही थी। आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा को जप्त किया गया। आरोपी राज सिंह पिता सोहन राजपूत के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 संशोधित 2000 की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। जब्त मदिरा और वाहन का कुल बाजार मूल्य 89 हजार 200 रुपये है।

इंदौर के धोबीघाट पर मोहर्रम मेले को लेकर 24 घंटे में तीन फैसले

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम के स्वामित्व की धोबीघाट की 6.7 एकड़ जमीन पर मुहर्रम का तीन दिनी मेला शुक्रवार से शुरू हो गया। गुरुवार दोपहर निगमायुक्त ने मेले की अनुमति जारी कर दी थी, लेकिन कुछ घंटे बाद ही वर्चुअली हुई महापौर परिषद की बैठक में इसे निरस्त कर दिया गया।

वक्फ कर्बला इंतजामिया कमेटी ने एमआईसी के अनुमति निरस्त करने के फैसले को चुनौती देते हुए शुक्रवार सुबह हाई कोर्ट में याचिका दायर कर दी। शाम करीब चार बजे न्यायमूर्ति पवन कुमार द्विवेदी ने इसकी सुनवाई की और एमआईसी का फैसला निरस्त कर दिया। कोर्ट ने माना कि एमआईसी की बैठक में जिस तरह से कुछ घंटे पहले दी गई अनुमति निरस्त की गई वह गलत था। कमेटी को भविष्य में मेले की अनुमति के लिए कम से कम दो महीने पहले आवेदन करना होगा और नगर निगम आयोजन तिथि से 25 दिन पहले इस बारे में निर्णय लेगा।

मुहर्रम के अवसर पर दशकों से धोबीघाट मैदान पर मेला लगता रहा है। इस वर्ष इसे लेकर लंबे समय से असमंजस की स्थिति चल रही थी। दरअसल चार दिन पहले महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मेले की अनुमति देने से इंकार करते हुए कहा था कि धोबी घाट की जमीन निगम के स्वामित्व की है। जिला कोर्ट ने सितंबर 2024 में ही इस पर मुहर लगा दी है।

कोर्ट ने फैसले में स्पष्ट है कि सिर्फ 0.02 एकड़ जमीन पर ताजिए ठंडे करने की अनुमति है। बाकी जमीन निगम की है। निगम अब तक मेले की अनुमति देता था, लेकिन इस बार हमने कई कारणों से तय किया कि मेले के लिए जमीन देने सही नहीं है। महापौर के इस बयान के बाद माना जा रहा था कि इस बार मुहर्रम का मेला नहीं लगेगा, लेकिन गुरुवार को निगमायुक्त कार्यालय से मेले की अनुमति जारी हो गई। नगर निगम ने मो.अब्दुल हमीद नियारगर अध्यक्ष वक्फ इंतेजामिया कमेटी के नाम से इसे जारी किया था। मेले के लिए अनुमति जारी होने की सूचना मिलते ही गुरुवार रात एमआइसी की वर्चुअल बैठक बुलवाई गई और मेले की अनुमति निरस्त कर दी गई।

वक्फ कर्बला इंतजामिया कमेटी की ओर से दो याचिकाएं हाई कोर्ट में प्रस्तुत की गई थीं। इन दोनों की सुनवाई शाम चार बजे बाद हुई। हालांकि इसके पहले शुक्रवार दोपहर से ही धोबीघाट मैदान पर मेला शुरू हो चुका था। जिला वक्फ बोर्ड अध्यक्ष रेहान शेख ने बताया कि हमने नगर निगम के अधिकारियों से अनुरोध किया था कि यह सालभर का आयोजन है, इसे होने दें। इसके बाद उन्होंने अनुमति दे दी जिसके बाद हमने दोपहर से ही मेला शुरू कर दिया। वक्फ कर्बला इंतजामिया कमेटी की ओर से पैरवी करने वाले एडवोकेट ऋषि श्रीवास्तव ने बताया कि हमने कोर्ट को निगम की मंशा से अवगत कराया।

450 सीसीटीवी फुटेज खंगालकर पुलिस ने पकड़े मोबाइल स्नेचर, पांच मोबाइल और बाइक बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से स्नेचिंग के पांच मोबाइल फोन और वारदात में प्रयुक्त बजाज पल्सर मोटरसाइकिल जब्त की है। बरामद मशरूका की कुल अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत अन्नपूर्णा थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार 23 मार्च 2026 को थाना क्षेत्र के उषा नगर, क्रांति कृपलानी नगर और इंद्रलोक कॉलोनी में अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने राह चलती महिलाओं से तीन अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल स्नेचिंग की वारदातों को अंजाम दिया था। इस संबंध में अन्नपूर्णा थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 304(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुनील मेहता के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दीशेष अग्रवाल और सहायक पुलिस आयुक्त शिवेन्दु जोशी के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी हित गोपाल यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थलों और आसपास लगे करीब 450 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्धों की पहचान कर घेराबंदी करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने 23 मार्च को उषा नगर, क्रांति कृपलानी नगर और इंद्रलोक कॉलोनी क्षेत्र में तीन अलग-अलग स्थानों पर मोबाइल स्नेचिंग की वारदातें करना स्वीकार कर लिया। पुलिस के अनुसार सीसीटीवी फुटेज में भी आरोपी वारदात को अंजाम देते हुए स्पष्ट रूप से दिखाई दिए हैं। पुलिस अब उनसे अन्य वारदातों के संबंध में भी पूछताछ कर रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल रावत निवासी विदुर नगर कॉलोनी और संयम मोर निवासी बापू घनश्याम दास नगर, इंदौर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई बजाज पल्सर मोटरसाइकिल जब्त कर ली है। मामले में आगे की जांच जारी है।

इंदौर अभिभाषक संघ के चुनाव, राकेश पाल अध्यक्ष और धर्मेंद्र गुर्जर सचिव चुने गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर अभिभाषक संघ के 25 जून को हुए चुनाव की मतगणना रातभर जारी रही। शुक्रवार सुबह पांच बजे पदाधिकारियों के नाम की घोषणा हुई जबकि कार्यकारिणी सदस्यों के नाम घोषित होते-होते सात बज गई। राकेश पाल अध्यक्ष और धर्मेंद्र गुर्जर सचिव चुने गए।

पाल ने करीब मुकाबले में 56 मतों से जीत हासिल की। इसी तरह पहले से आठवें चरण तक पीछे चल रहे गुर्जर ने अंतिम दो चरणों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वापसी कर जीत दर्ज की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विमल मिश्रा ने परिणामों की घोषणा के साथ ही विजेताओं को प्रमाण पत्र सौंपे। इसके अलावा उपाध्यक्ष पद पर जितेंद्र नीम, सह सचिव पर निमेष सोलंकी और कोषाध्यक्ष पद पर पल्लविका अध्यारु निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में आयुष भोरहरी, सुधीर व्यास (हैप्पी), नितिन पाराशर, स्नेहिल वर्मा(लक्की), सुमनलता मुकाती और श्यामा वर्मा ने जीत दर्ज की।

मतगणना की धीमी गति ने किया परेशान- गुरुवार शाम पांच बजे मतदान समाप्त होने के बाद उम्मीद थी कि मतगणना तुरंत शुरू हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। करीब साढ़े सात बजे मतगणना शुरू हुई। मतगणना दस चरणों में हुई। पहले चरण का परिणाम आते-आते रात के नौ बज गए। मतगणना की धीमी गति की वजह से जिला कोर्ट में अपने समर्थकों के साथ जमा हुए प्रत्याशी परेशान होते रहे। रात करीब डेढ बजे तक सिर्फ चार चरणों की मतगणना के परिणाम घोषित हुए थे।

इंदौर में बारिश नहीं, अनियोजित निर्माण कार्य बन रहे जलजमाव का संकट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में हर साल बारिश के साथ सामने आने वाली जलजमाव की समस्या का कारण केवल भारी वर्षा नहीं, बल्कि शहर की विकास योजनाएं और बाधित होती जल निकासी व्यवस्था भी है। श्री गोविंदराम सेकसरिया इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलाजी एंड साइंस द्वारा किए गए अध्ययन में ये जानकारी सामने आई है।

संस्थान ने शहर के सर्वे के लिए विद्यार्थियों द्वारा टीम बनाई थी। बीते एक साल से विद्यार्थी इस पर कार्य कर रहे थे। इसकी प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार हो चुकी है और इस पर लगातार कार्य किया जा रहा है। अध्ययन के लिए पिछले पचास सालों का वर्षा का डाटा और पांच साल का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट का डाटा भी लिया गया है। अध्ययन में सामने आया है कि पिछले एक दशक में इंदौर का तीव्र विस्तार हुआ है। बड़े पैमाने पर सड़कों, भवनों, पार्किंग स्थलों और व्यावसायिक परिसरों के निर्माण से वर्षा जल का प्राकृतिक अवशोषण कम हो गया है। परिणामस्वरूप अधिकांश पानी सीधे सड़कों पर बहता है। वहीं, हाल के वर्षों में मेट्रो, फ्लाईओवर और सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं के दौरान कई स्थानों पर अस्थायी निकासी व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, जिससे जलभराव की घटनाएं बढ़ी हैं।

शहर के कई क्षेत्रों में वर्षा जल निकासी की क्षमता वर्तमान जनसंख्या और विकास के अनुरूप नहीं बढ़ाई गई। कई स्थानों पर जल निकासी लाइनें छोटी अथवा अपर्याप्त हैं। कचरा, प्लास्टिक, निर्माण मलबा और अतिक्रमण नालों की क्षमता को कम कर देते हैं।

कई बार पानी की निकासी बाधित होने से कुछ ही समय में सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। इसके साथ ही पुराने नालों, तालाबों के कैचमेंट क्षेत्र और प्राकृतिक जल प्रवाह मार्गों पर निर्माण कार्य होने से वर्षा जल का प्रवाह बाधित हो जाता है। वहीं, नालों, तालाबों और कान्ह नदी के किनारे बढ़ते अतिक्रमण ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

शक की सुई, मर्डर का बदला मर्डरः हत्या के आरोपी के पिता को चाकूओं से गोदा

माली समाज आक्रोशित, गांधी चौराहे पर दो घंटे तक जाम लगाया, चार नामजद पर प्रकरण दर्ज

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के अभिनंदन क्षेत्र में बावड़ीवाला बालाजी स्थान के पास शनिवार सुबह 7 बजे के आसपास एक युवक रवि माली की कुछ बदमाशों ने चाकू व लोहे की रॉड से हमला कर हत्या कर दी गई। परिजनों ने अप्रैल माह में गांधी चौराहे पर हुए मर्डरकांड में रंजिश होने का शक जताया है। इस तरह चार नामजद के साथ अन्य अज्ञात पर कोतवाली में प्रकरण दर्ज हुआ है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस टीमें गठित की गई है, जिनके द्वारा पतारसी की जा रही है। उधर, हत्या के बाद नाराज परिजन व माली समाज ने गांधी चौराहे पर दोपहर बाद शव रखकर चक्काजाम कर दिया। दो घंटे से ज्यादा समय तक जाम लगा रहा। इस दौरान एएसपी तेरसिंह बघेल ने मौके पर जाकर परिजनों को समझाईश दी व उनकी मांगों को लेकर आश्वस्त किया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया है।

जानकारी के अनुसार गत 8 अप्रैल की रात्रि में गांधी चौराहे पर अरुण पिता नानावटी वर्मा निवासी नरसिंहपुरा की चाकू मार कर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में युवराज माली निवासी अभिनंदन नगर पर हत्या का आरोप लगा था, जिसका वीडियो भी जारी हुआ था। मामले में आरोपी युवराज माली साथी सहित जैल में बंद है। यह प्रकरण समाप्त हुआ था कि शनिवार सुबह हुई एक और हत्या से मंदसौर में सनसनी फैल गई। यह हत्या रवि पिता किशन माली 45 वर्ष निवासी कर्मचारी कॉलोनी शांतनु विहार की हुई है। मृतक रवि माली अप्रैल माह में हुए मर्डर के आरोपी रहे युवराज माली के पिता हैं। ऐसे में प्रारंभिक तौर पर शक का दायरा इस ओर घुम रहा है। उल्लेखनीय है कि मृतक रवि माली रोजाना की तरह अपने खेत पर फूल तोड़ने शनिवार सुबह पहुंचे थे। वे फूल तोड़कर वापिस आ रहे थे, तब बावड़ी वाले बालाजी मंदिर क्षेत्र अभिनंदन में छह अज्ञात बदमाशों ने चाकू व रॉड से हमला का हत्या कर दी। कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची, शव जिला अस्पताल लाया गया, यहां डॉक्टर ने मृत बताया। बाद में एकत्र माली समाज ने दोपहर के समय गांधी चौराहे पर पहुंचकर जाम लगा दिया। चौराहे के चारों रास्तो पर जाम लगाया था, इससे आवाजाही नहीं हो सकी। परिजनों ने एक ज्ञापन एएसपी श्री बघेल को सौंपा है, जिसमें कहा कि आरोपियों को शीघ्र पकड़ा जाए एवं अवैध मकान दुकान को तोड़ा जाए तथा उन पर कड़ी कार्रवाई कर मृतक को मुआवजा दिलाया जाए। एएसपी के आश्वासन पर परिजनों ने प्रदर्शन समाप्त कर शव का अंतिम संस्कार कराया। प्रदर्शन कर रहे जावरा निवासी परिजन पंकज चावड़िया ने कहा कि रास्ते में उन्हें आरोपियों ने घेरकर मारा है। मैं मृतक रवि के मामा का लड़का हूं। हत्यारों को शीघ्र पकड़ा जाकर अवैध मकान को ध्वस्त किया जाए। मौके पर मंदिर के पूजारी ने दृश्य उनके मोबाईल में रिकॉर्ड किया था, जिसे भी आरोपी छीन गए हैं। छह आरोपी बताए गए हैं, इन पर लूट की धारा भी बढ़ाई जाना चाहिए। हत्या पर मुआवजा भी प्रशासन तय करें। मृतक की पत्नी ने कहा है कि पति का मोबाईल भी चोरी हुआ है, जिसमें आरोपियों द्वारा धमकी देने की बातें रिकॉर्ड है। हमें धमकी दी जा रही थी, जिसकी पुलिस में भी शिकायत की गई थी। मामले में एएसपी तेरसिंह बघेल ने बताया कि परिजनों के कहे अनुसार चार नामजद सहित अन्य पर प्रकरण दर्ज किया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीमें गठित की है। शीघ्र ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

भाई की शिकायत पर चार नामजद किए गए, प्रकरण दर्ज - कोतवाली पुलिस के अनुसार सुमित पिता कैलाश माली निवासी कर्मचारी कॉलोनी शांतनु विहार ने शिकायत दर्ज कराई, बताया कि 27 जून की सुबह करीब 7 बजे पूर्व उसके भाई रवि पिता किशन माली की हत्या कर दी गई है। सुमित ने संदेही के तौर पर यशवंत उर्फ यश निवासी बालागंज, राज वर्मा निवासी मंदसौर, आकाश वर्मा एवं विकास वर्मा निवासी बालागंज के नाम बताए हैं, जिन्हें नामजद कर अन्य अज्ञात पर प्रकरण दर्ज किया है। मामले में कोतवाली निरीक्षक पुष्पेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि सीसीटीवी फूटेज चेक किए जा रहे हैं। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

मध्यप्रदेश से संयुक्त अरब अमीरात को जीआई-टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों का हुआ पहला वाणिज्यिक निर्यात

भोपाल/दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा का सुंदरजा आम अब वैश्वकि बाजारों की शान बन गया है। केन्द्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आम मध्यप्रदेश से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में पहले वाणिज्यिक निर्यात के रूप में पहुंच गये हैं। वैश्विक बाजारों में भारत के विशिष्ट कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कृषक कल्याण वर्ष के चलते यह एक बड़ी उपलब्धि है।

पिछले कई महीनों से एपीडा ने मध्यप्रदेश सरकार के बागवानी विभाग, निर्यातकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), पैकिंग हाउस संचालकों और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के साथ मिलकर इस उत्कृष्ट किस्म के आम के निर्यात के लिए संपर्क स्थापित करने का काम किया है। इन समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप संयुक्त अरब अमीरात में एक खरीदार की पहचान हुई जिससे प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम के अंतर्राष्ट्रीय विपणन का मार्ग खुला।

जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक निर्यात खेप में एक मीट्रिक टन आम शामिल थे और यह 26 जून 2026 को मेसर्स साल्ट रेंज फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संयुक्त अरब अमीरात को निर्यात की गई। यह ऐतिहासिक खेप रीवा सुंदरजा आम की अंतर्राष्ट्रीय यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है और आने वाले समय में नियमित निर्यात का मार्ग प्रशस्त करने की उम्मीद है।

निर्यात खेप में उच्च गुणवत्ता वाले जीआई टैग से युक्त रीवा सुंदरजा आम शामिल थे जिन्हें मध्यप्रदेश के रीवा जिले के गोविंदगढ़ निवासी से ओन्धा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड और प्रगतिशील किसान श्री सोनू गुप्ता से प्राप्त किया गया था। आमों की कटाई निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुसार की गई थी और उत्तर प्रदेश के भदोही स्थित त्रिसागर फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी के एपीडा-सुविधा प्राप्त पैक हाउस में इनकी ग्रेडिंग, छँटाई और निर्यात-योग्य पैकेजिंग की गई थी। निर्यात पैकेजिंग और पौध स्वच्छता संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद आमों की खेप को वाराणसी हवाई अड्डे लाया गया जहां से उसे हवाई मार्ग द्वारा आगे संयुक्त अरब अमीरात भेजा गया।

इस व्यावसायिक निर्यात से रीवा क्षेत्र के आम उत्पादकों को महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ मिलने की उम्मीद है। स्थानीय बाजार में रीवा सुंदरजा आम का मौजूदा भाव लगभग 100 से 110 रुपये प्रति किलोग्राम है, जबकि निर्यातक ने इसे 150 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से खरीदा है। प्रति किलोग्राम 40 से 50 रुपये का यह लाभ किसानों को सीधे तौर पर मिलता है जो निर्यात-उन्मुख मूल्य श्रृंखलाओं में उत्पादकों को शामिल करने के आर्थिक लाभों को दर्शाता है। इस पहल से अधिक से अधिक किसानों को गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और कटाई के बाद की प्रक्रियाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलने और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक उनकी पहुंच बढ़ने की भी उम्मीद है।

इस सफल निर्यात से अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्षेत्र-विशिष्ट कृषि उत्पादों को एक अलग पहचान दिलाने में भौगोलिक संकेत (जीआई) पंजीकरण के महत्व पर और जोर दिया गया है। असाधारण मिठास, भरपूर सुगंध, रेशे रहित गूदे और विशिष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध रीवा सुंदरजा आम में निर्यात की अपार संभावनाएं हैं। वाणिज्यिक निर्यात से इस स्वदेशी किस्म की वैश्विक पहचान बढ़ने की उम्मीद है और इसके साथ ही मध्यप्रदेश उत्कृष्ट किस्म के आम निर्यात के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित होगा।

संयुक्त अरब अमीरात को जीआई टैग वाले रीवा सुंदरजा आमों की पहली वाणिज्यिक निर्यात खेप की ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में 26 जून 2026 को ध्वजारोहण समारोह आयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान अंतर्गत शिविर संपन्न

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ किरण वाडिया मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रतलाम के निर्देशन पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 100 दिवसीय आयुष्मान आरोग्य शिविर गांव गांव शहर शहर अभियान के तहत उच्च जोखिम ग्राम बिलडी एवं मलवासी में शिविर का आयोजन किया।

टीबी सुपरवाइजर बाजना प्रतीक रावल द्वारा शिविर का आयोजन कर शिविर में जनसमुदाय में स्क्रीनिंग कर संभावितो में छाती के एक्स रे कर क्षय रोग निदान के संबंध में ग्राम जनों को बताया।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अनिता चौहान द्वारा बताया के 60 वर्ष से अधिक उम्र वाले, शुगर के मरीज, जिनका बी एम आई 18.5 से कम हो , तम्बाकू सेवन करने वाले हाई रिस्क वाले हितग्राहियों के आज ग्राम स्तर पर चेस्ट एक्स रे कर उनमें टीबी स्क्रीनिंग की जिनमें 55 चेस्ट एक्स रे का लाभ ग्रामीण जनों को मिला है , साथ ही 11 टीबी संभावित को फाल्कन ट्यूब देकर रावटी अस्पताल में स्पूटम की जांच का सुझाव दिया। ग्राम सरपंच श्री किशन भूरिया, सचिव श्रीमति रजनी माल , उपसरपंच श्री नारायण भूरिया द्वारा शिविर में सहयोग कर ग्राम जनों को एक्स रे के लाभ के बारे में बताया कि यह सुविधा टीबी रोग को जल्दी पता लगाने में सहायक है।

रतलाम जिले से एक्स रे टीम में श्री जय सिसोदिया, कार्यक्रम समन्वयक टीबी द्वारा निःक्षय पर इनरोलमेंट चेस्ट एक्स रे अपडेट की जानकारी दी गई । पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्स रे मशीन पर एक्स रे टेक्नीशियन राहुल जोहरी ने चेस्ट एक्स रे किए, श्री शैलेन्द्र भूरिया एवं श्री सुरेंद्र खराड़ी द्वारा चेस्ट एक्स रे में सहायता कर जनमानस को चेस्ट एक्स रे के लिए प्रोत्साहित किया। महिला स्वस्थ्य कार्यकर्ता श्रीमती रितिका शर्मा द्वारा आज के शिविर स्थल पर ही हितग्राहियों की अन्य जांचों में हीमोग्लोबिन , बी एम आई , शुगर तथा ब्लड प्रेशर की जांच भी की गई।

जिला प्रशासन नीमच द्वारा जनसहयोग से जल संवर्धन की सार्थक पहल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिल में जन सहयोग से जल संवर्धन का अभियान 2026 चलाया गया। कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा एवं जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव के निर्देशन में चलाए गये जनसहयोग से जल संवर्धन अभियान के तहत जिले में 243 ग्राम पंचायतों में गहरीकरण के लिए कुल 400 तालाबों, चेकडेम, स्टाप डेम एवं अन्य जल संरचनाओं को चिन्हित कर, 352 जल संरचनाओं का जन सहयोग से गहरीकरण कर एक लाख 10 हजार ट्रेक्टर ट्राली मिटटी निकालकर किसानों ने अपने खेतों में डाली हैं।

जिला पंचायत नीमच के परियोजना अधिकारी श्री सुशील दौराया ने उक?त जानकारी देते हुए बताया, कि इस कार्य में 6500 से अधिक ग्रामीणों ने अपनी सहभागिता की हैं। इससे एक ओर जहां तालाबों एवं जल संरचनाओं का गहरीकरण होकर उनकी जल भराव क्षमता 3.50 लाख घन मीटर बढ़ी है। साथ ही किसानों को अपने खेतों के लिये उपजाऊ मिटटी भी उपलब्ध हुई हैं। किसानों से तालाबों से निकाली मिट्टी का उपयोग नये खेतों को तैयार करने में किया हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के तहत जिले में 682 खेत तालाबों का निर्माण पूर्ण हो गया हैं। जिले में 1915 डगवेल रिचार्ज के कार्य पूर्ण हो गये है। इस वर्ष 18 अमृत सरोवर, निर्माण के कार्य किए गऐ हैं। जल संचयन संरचनाओ के 350 कार्य और वाटर शेड परियोजनाओ में 60 कार्य पूर्ण हुए है।

दशपुर रंगमंच ने दिग्गज संगीतकार मदनमोहन को 102वें जन्मदिन पर दी गई सुरीली श्रद्धांजलि

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय दशपुर रंगमंच द्वारा प्रसिद्ध और कालजयी संगीतकार मदन मोहन के 102वें जन्मदिन के अवसर पर एक यादगार संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष शाम की विशेषता यह रही कि कलाकारों ने न केवल मदन मोहन के अमर गीतों को जीवंत किया, बल्कि अन्य दिग्गज गायकों के सदाबहार नगमे गाकर भी महफिल में चार चांद लगा दिए।

कार्यक्रम की शुरुआत श्याम गुप्ता ने मदन मोहन के संगीत से सजे बेहद मकबूल गीत 'ये दुनिया यह महफिल, मेरे काम की नहीं' से की, जिसने शुरुआती पलों में ही श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद मंच पर सुरों का सिलसिला लगातार आगे बढ़ता रहा। गायक अभय मेहता ने 'एक हंसी शाम को दिल मेरा खो गया', आबिद शाह ने 'रंग और नूर की बारात किसे पेश करूँ' और सतीश सोनी ने 'तुम जो मिल गए हो' जैसे बेहतरीन गीतों की प्रस्तुतियां देकर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। महिला कलाकारों ने भी अपनी सुरीली आवाज से कार्यक्रम को एक अलग ऊंचाई दी। आशा तरवेचा ने भावपूर्ण अंदाज में 'तू जहाँ जहाँ चलेगा मेरा साया साथ होगा' गाया, तो वहीं स्वाति रिछावर ने 'तेरी आँखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है' प्रस्तुत कर समां बांध दिया। युवा गायक हिमांशु वर्मा ने 'दिल ढूँढ़ता है फिर वही फुरसत के रात दिन' गाकर हर किसी को पुरानी यादों के सफर पर भेज दिया। कार्यक्रम के दौरान अन्य महान संगीतकारों के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां भी दी गईं। इसी कड़ी में रौनक मिंडा ने 'जानम देख लो मिट गई दूरियां', ललिता मेहता ने 'अजीब दास्तां है ये कहाँ शुरू कहाँ ख़त्म', मीना जैन ने 'छूकर मेरे मन को किया तूने क्या इशारा' और सिमरन बेलानी ने 'सोचेंगे तुम्हें प्यार' जैसे सदाबहार गीतों से श्रोताओं को बांधे रखा। इस संगीतमय शाम का कुशल संचालन करते हुए अभय मेहता ने मदन मोहन जी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने एक बेहद खास संस्मरण साझा करते हुए बताया कि सुर कोकिला लता मंगेशकर जी, मदन मोहन जी की धुनों से इस कदर प्रभावित थीं कि उन्हें 'गज़लों का शहज़ादा' कहकर पुकारती थीं। सुरों से सजी इस शानदार महफिल के समापन पर उपस्थित सभी कलाकारों और संगीत प्रेमियों का आभार ललिता मेहता द्वारा व्यक्त किया गया।

जाट क्षेत्र के तुमड़िया में दिनदहाड़े 2 नाबालिग बालिकाओं का अपहरण, साहस दिखाते हुए ग्रामीणों ने फिल्मी अंदाज में पीछा कर 2 आरोपीयो को धर दबोचा, एक भागने में रहा सफल...

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ थाना अंतर्गत आने वाली जाट चौकी के तुमड़िया ग्राम से शुक्रवार को दो नाबालिग बालिकाओं के अपहरण की घटना सामने आई है।

सफेद रंग की ईको कार सवार युवकों ने दो बालिकाओं को जबरन गाड़ी में बिठा लिया।हालांकि, ग्रामीणों की सतर्कता और बहादुरी के चलते न केवल बालिकाओं को सकुशल छुड़ा लिया गया,बल्कि तीन मे से दो अपहरणकर्ताओं को भी पकड़ लिया गया।

क्या है पूरा मामला- मिली जानकारी के अनुसार तुमड़िया ग्राम की 8 और 13 वर्षीय दो नाबालिग बालिकाएं गांव के पास ही स्थित जयराम धाकड़ के खेत के समीप अपने खेत से आते वक्त मेन रोड से गुजर रही थीं।तभी एक सफेद ईको कार क्रमांक स्क्ष44 ्क्र5881 वहां रुकी और उसमे सवार युवकों ने दोनों बालिकाओं को जबरन गाड़ी में खींच लिया। कार के भीतर से एक अन्य बालिका की चप्पल और कांच पर लगाने के गत्ते भी पड़े हुए दिखाई दिए हैं,जो अन्य किसी घटना की भी पुष्टि कर रहे हैं।

ग्रामीणों की सजगता 25 किमी तक किया पीछा - बालिकाओं के चिल्लाने की आवाज सुनकर पास ही मौजूद ग्रामीण भेरूलाल जटिया और प्रहलाद बैरागी ने तत्परता दिखाई।उन्होंने तुरंत अपनी बाइक से कार का पीछा शुरू किया। लगभग 2 किलोमीटर दूर ग्रामीणों ने अपनी बाइक को कार के आगे लगाकर उसे रुकवाने का प्रयास किया। आरोपियों ने भागने की फिराक में बाइक को टक्कर मारी और उसे दूर तक घसीटा,लेकिन ग्रामीणों ने हिम्मत नहीं हारी।आरोपी बिजेपुर, दौलतपुरा, पालछा और चडोल होते हुए भाग रहे थे।सूचना मिलने पर ग्रामीणों ने आगे की ओर घेराबंदी की और लगभग 25 किलोमीटर दूर आटा सरोदा के पास ट्रैक्टर को सड़क पर आड़ा लगाकर कार को मजबूरन रुकवा लिया। ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद 3 में से 2 आरोपियों को मौके पर ही दबोच लिया।जबकि एक आरोपी चकमा देकर फरार होने में सफल रहा।

आरोपी भी नाबालिग,पुलिस की कार्रवाई जारी - हैरत की बात यह है। कि जहां पीड़ित बालिकाएं नाबालिग हैं, वहीं प्राथमिक जानकारी में अपहरण करने वाले तीनों युवक भी नाबालिग ही बताए जा रहे हैं।जिसमें से गाड़ी मालिक सहित 1 युवक सरवानिया मसानी एवं 1 युवक खोर का बताया जा रहा है।ग्रामीणों ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को पहले जाट पुलिस चौकी और फिर रतनगढ़ थाने के सुपुर्द किया।

ग्रामीणों की मांग- सख्त कार्रवाई हो - पीड़ित बालिकाओं के परिजन और बड़ी संख्या में आक्रोशित ग्रामीण रतनगढ़ थाने पर जमा हो गए। परिजनों ने मांग की है। कि आरोपियों के खिलाफ अपहरण और अन्य गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया जाए। साथ ही, फरार तीसरे आरोपी की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाए। समाचार लिखे जाने तक पुलिस टीम थाने पर परिजनों के बयान दर्ज करने और प्रकरण पंजीबद्ध करने की कानूनी कार्यवाही में जुटी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने भोपाल से मंदसौर जिले के तीन उद्यमियों को उद्योग स्थापना हेतु एलओआई प्रदान की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व एमएसएमई दिवस के अवसर पर भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा मंदसौर जिले के तीन उद्यमियों को उद्योग स्थापना के लिए औद्योगिक भूखंड आवंटन की एलओआई प्रदान की गई। इन उद्योगों के माध्यम से जिले में निवेश को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। उद्योग विभाग महाप्रबंधक मंगल रायकवार द्वारा बताया गया कि जिन उद्यमियों को एलओआई प्रदान की गई, उनमें आशीष त्यागी (एम/एस सर्वश्रेष्ठ एग्रो प्रोडक्ट्स) को औद्योगिक क्षेत्र गरोठ में बायो एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स इकाई स्थापित करने हेतु भूखंड आवंटित किया गया। इस परियोजना में 100 लाख रुपये का प्रस्तावित निवेश तथा 10 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। इसी प्रकार हितांश अग्रवाल (एम/एस बीमोरा सोलर स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड) को औद्योगिक क्षेत्र मुलतानपुरा में सोलर स्ट्रक्चर निर्माण इकाई स्थापित करने हेतु एलओआई प्रदान की गई। इस परियोजना में 38 लाख रुपये का प्रस्तावित निवेश तथा 5 लोगों को रोजगार मिलेगा। वहीं, मुख्तियार अलदाद (एम/एस रुबिना स्लेट पेन वर्क) को औद्योगिक क्षेत्र मुलतानपुरा में स्लेट पेंसिल निर्माण इकाई स्थापित करने के लिए एलओआई प्रदान की गई। इस उद्योग में 10 लाख रुपये का प्रस्तावित निवेश होगा तथा 15 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा। जिले में औद्योगिक क्षेत्र पानपुर के 22 करोड रुपए के नवीन कार्यों का भूमि पूजन किया गया। एमएसएमई दिवस पर इन उद्योगों को मिली स्वीकृति से जिले में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।

भव्य कलश यात्रा के साथ मजेसरी में हुई श्री देवनारायण की प्राण प्रतिष्ठा', अंबाजी धाम गुरुदेव भी पहुंचे

मंदसौर। दलौदा तहसील के ग्राम मजेसरी में श्री देवनारायण मंदिर पर दो दिवसीय यज्ञ की पूर्णाहुति के साथ श्री देवनारायण भगवान की प्राण प्रतिष्ठा की गई जिसमें यज्ञाचार्य श्री दिनेश चतुर्वेदी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से यज्ञ व प्राण प्रतिष्ठा को संपन्न करवाया गया। इस धार्मिक आयोजन में मालवा के प्रसिद्ध श्री अंबाजी धाम निपानिया के पूज्य गुरुदेव ने पहुंचकर प्राण प्रतिष्ठा में भाग लिया व अपने आशीर्वचन में कहा कि माता पिता की सेवा से ही मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त होगा आप धर्म से जुड़ेंगे तो धर्म आपको आपस में जोड़कर रखेगा। धार्मिक आयोजन से समाज में एकता बनीं रहेगी और हिंदुत्व मजबूत होगा, उन्होंने आगे कहा कि एसे आयोजन प्रत्येक गांव में होना चाहिए जिससे हमारी संस्कृति भी बचेगी और युवाओं को सामाजिक समरसता की प्रेरणा मिलेगी। पूरे आयोजन में खास बात यह रही कि यहां सभी समाज के लोगों द्वारा हवन में आहुतियां देकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।अंत में महाप्रसादी का आयोजन हुआ।

अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा की पूर्व तैयारी के संबंध में बैठक संपन्न, सभी विभाग प्रमुख समय पूर्व तैयारी रखे - कलेक्टर

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानसून वर्ष 2026 अतिवृष्टि एवं बाढ़ आपदा की पूर्व तैयारी के संबंध में कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्व बैठक में दिए दिशा निर्देशों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्टर ने सभी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत को संपर्क विहीन ग्रामों की सूची एवं आवश्यक होने की दशा में रेस्क्यू के लिए वैकल्पिक स्थान की सूची तैयार करके होमगार्ड को उपलब्ध कराने हेतु कहा।

कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह ने निर्देशित किया कि नदियों के आसपास के ग्रामीण क्षेत्र एवं पुल , पुलिया क्षेत्र के लिए सभी विभाग प्रमुख अपने अधिकारी कर्मचारी की ड्यूटी लगाकर उनकी जिम्मेदारी तय करें तथा स्वयंसेवी लोगों की भी सूची तैयार रखें , मुख्य स्थानो पर साईनेज लगाए। दिनांक 30 जून को आयोजित होने वाली विशेष ग्राम सभा के दौरान लोगों को बारिश के दौरान रखने वाली सावधानियां की जानकारी दी जाए , सूचना दे कि क्षेत्रों में अतिवृष्टि होने की दशा में आवाजाही बंद की जा सकती है । सभी अधिकारी अपने क्षेत्र में जाकर अतिवृष्टि की पूर्व तैयारी का परीक्षण करें।मैदानी कर्मचारियों की बैठक लेकर उन्हें जिम्मेदारी सौंपी जाए । क्षेत्रों में जल भराव होने पर यदि मोटर के माध्यम से पानी निकालना संभव हो तो निकाले अन्यथा लोगो की आवाजाही बंद करें। जिन स्थानों को रेस्क्यू के लिए चिन्हित किया गया है उन स्थानों पर पानी , बिजली शौचालय सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाये। उन्होंने जर्जर आंगनवाड़ी केंद्र स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र के भवनों की सूची प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। रतलाम जिले के शहरी अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में यदि किसी को भी कोई ऐसा भवन दिखाई देता है जिसके बारिश के दौरान गिरने की संभावना है तो इसकी सूचना कंट्रोल रूम के नंबर 07412-270416 पर दी जा सकती है । उन्होंने बाजना क्षेत्र में बिना मुंडेर के कुएं वाले स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में जल भराव की संभावना वाले क्षेत्र की जानकारी विस्तार से प्रस्तुत की गई।

सम्पादकीय

वन्यजीव नहीं, उजड़ते जंगल गांवों के दरवाज़े पर हैं

जंगलों से उठती आह अब गांवों की दहलीज तक सुनाई देने लगी है। आधी रात खेतों में उतरते हाथी, बस्तियों के आसपास मंडराते तेंदुए और घरों की चौखट तक पहुंचते बाघ केवल वन्यजीव नहीं, बल्कि उस अंधाधुंध विकास के मौन साक्ष्य हैं जिसने उनसे उनका आशियाना छीन लिया। विडंबना यह है कि जिस देश ने सदियों तक वृक्षों को देवता और वन्यजीवों को प्रकृति का परिवार माना, वहीं आज गांवों में जंगल का नाम भय का पर्याय बनता जा रहा है। यह संघर्ष किसी एक किसान और एक जानवर के बीच नहीं, बल्कि उस बिगड़े संतुलन की कहानी है जिसमें मनुष्य ने प्रकृति की सीमाएं लांघ दीं और अब प्रकृति उसी भाषा में जवाब दे रही है। सवाल यह नहीं कि वन्यजीव गांवों में क्यों आ रहे हैं, असली सवाल यह है कि उनके जंगल आखिर बचे कहां हैं?

आंकड़े बताते हैं कि यह संकट अब भयावह हकीकत बन चुका है। वर्ष 2019 से 2024 के बीच हाथियों के हमलों में 2700 से अधिक लोगों की जान गई, यानी हर साल करीब पांच सौ परिवार उजड़ रहे हैं। बाघों और तेंदुओं के हमले भी लगातार बढ़ रहे हैं। खेतों की तबाही ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ दी है। महाराष्ट्र में वन्यजीवों से कृषि नुकसान प्रतिवर्ष दस हजार से चालीस हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। कर्नाटक के कोडागु में आधे किसान हर साल करीब नब्बे हजार रुपये गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के पश्चिमी घाट के कई क्षेत्रों में 90 प्रतिशत से अधिक किसान वन्यजीवों को सबसे बड़ी समस्या मानते हैं, क्योंकि उनकी आधे से अधिक फसल जंगल निगल जाता है। जलवायु परिवर्तन, सिकुड़ते जंगल और बेलगाम विकास ने ऐसी स्थिति बना दी है कि न जंगल सुरक्षित हैं, न गांव।

मध्यप्रदेश का बावनगजा भी इस बढ़ते संकट की आहट महसूस कर रहा है। दुनिया यहां 52 गज ऊंची जैन प्रतिमा देखने आती है, लेकिन स्थानीय लोग वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही का असर भी देख रहे हैं। भीषण गर्मी से जंगलों के जलस्रोत सूख गए, भोजन घटा और वन्यजीव गांवों की ओर उतर आए। दिन में श्रद्धालुओं की घंटियां गूंजती हैं, रात में जंगल की हलचल बढ़ जाती है। कई बार खेतों को नुकसान पहुंचता है और ग्रामीणों के सामने नई चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। बावनगजा आज केवल तीर्थ नहीं, बल्कि उस राष्ट्रीय संकट का प्रतीक बन चुका है, जहां प्रकृति और विकास आमने-सामने खड़े हैं।

यह संकट अब खेतों से निकलकर पूरे ग्रामीण जीवन पर छा चुका है। बच्चे स्कूल जाते समय रास्ते बदलते हैं। महिलाएं जंगल की ओर कदम बढ़ाने से पहले कई बार सोचती हैं। बुजुर्ग रातभर घर और खेत की रखवाली करते हैं। भय अब दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। उधर मुआवजे की जटिल प्रक्रिया पीड़ित परिवारों की पीड़ा और बढ़ा देती है। सरकारी फाइलें उस किसान का दर्द नहीं समझती, जिसकी फसल, मवेशी या अपना एक पल में छिन गया। नतीजा यह है कि जिस समाज ने कभी वन्यजीवों को पूजनीय माना था, वही आज उन्हें सबसे बड़ा दुश्मन मानने लगा है। सह-अस्तित्व की भारतीय परंपरा अब अविश्वास में बदलती जा रही है।

इस संकट का हल केवल बंदूक, पिंजरे या वन्यजीवों को खदेड़ने में नहीं है। रास्ता वहीं निकलेगा, जहां विज्ञान, संवेदना और प्रभावी नीति साथ चलें। जंगलों के प्राकृतिक कॉरिडोर सुरक्षित हों, सौर फेंसिंग और सुरक्षा खाइयां बनें, रियल-टाइम ट्रैकिंग प्रणाली विकसित हो तथा गांवों तक त्वरित चेतावनी पहुंचे। सबसे जरूरी है कि नुकसान का मुआवजा पारदर्शी और समयबद्ध मिले, ताकि किसान को न्याय के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि विकास परियोजनाओं पर हजारों करोड़ खर्च हो सकते हैं, तो जंगलों की सीमा पर देश की पहली चौकी बने लोगों की सुरक्षा और सम्मान भी उतनी ही प्राथमिकता का विषय होना चाहिए।

एकाग्रता और कार्यक्षमता में सुधार लाता है सहजयोग

आज का युग तीव्र प्रतिस्पर्धा, भागदौड़ और निरंतर मानसिक व्यस्तता का युग है। मनुष्य का अधिकांश समय भविष्य की चिंताओं और अतीत की स्मृतियों में बीत जाता है, जिसके कारण मन वर्तमान कार्य पर पूरी तरह केंद्रित नहीं रह पाता। परिणामस्वरूप तनाव बढ़ता है, निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है और कार्य की गुणवत्ता में भी कमी आने लगती है। ऐसे समय में सहजयोग ध्यान एक ऐसी साधना के रूप में सामने आता है, जो व्यक्ति को अपने भीतर की शांति से जोड़कर मन को स्थिर और एकाग्र बनाने का मार्ग प्रदान करता है।

सहजयोग केवल ध्यान करने की एक विधि नहीं है, बल्कि यह आत्म-साक्षात्कार का एक सहज मार्ग माना जाता है। इसकी स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी ने इस उद्देश्य से की कि प्रत्येक व्यक्ति बिना किसी कठिन तपस्या या जटिल साधना के अपने भीतर विद्यमान आध्यात्मिक कुंडलिनी शक्ति का अनुभव कर सके। प्रत्येक मनुष्य के भीतर मेरुदंड के मूल में कुण्डलिनी नामक एक सूक्ष्म आध्यात्मिक शक्ति सुप्त अवस्था में विद्यमान रहती है। जब यह शक्ति जागृत होती है, तब साधक का ध्यान सहज रूप से भीतर की ओर स्थापित होने लगता है और वह विचारों के निरंतर प्रवाह से ऊपर उठकर निर्विचार जागृति की अवस्था का अनुभव कर सकता है। इसी अवस्था में मन वास्तविक शांति, संतुलन और स्पष्टता प्राप्त करता है। जब मन अनावश्यक विचारों और मानसिक तनाव से मुक्त होने लगता है, तब स्वाभाविक रूप से एकाग्रता बढ़ती है। व्यक्ति का ध्यान बार-बार भटकने के बजाय वर्तमान कार्य पर टिकने लगता है। विद्यार्थी पढ़ाई में अधिक मन लगा पाते हैं, कर्मचारी अपने कार्यों को अधिक दक्षता से पूरा कर सकते हैं और व्यवसायी अधिक स्पष्ट एवं संतुलित निर्णय लेने में सक्षम हो सकते हैं। गृहस्थ जीवन में भी धैर्य, समझदारी और सकारात्मक सोच का विकास होने से पारिवारिक संबंध अधिक मधुर बन सकते हैं।

सहजयोग का नियमित अभ्यास व्यक्ति की कार्यक्षमता पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। शांत और संतुलित मन परिस्थितियों का बेहतर विश्लेषण करता है, समय का सदुपयोग करता है और चुनौतियों का सामना घबराहट के बजाय विवेक से करता है। जब मानसिक ऊर्जा अनावश्यक चिंताओं में व्यर्थ नहीं होती, तब वही ऊर्जा रचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और उत्पादक कार्यों में लगने लगती है। इससे व्यक्ति कम समय में अधिक गुणवत्तापूर्ण कार्य करने की क्षमता विकसित कर सकता है। आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी सहजयोग ध्यान को तनाव कम करने, ध्यान क्षमता बढ़ाने और मानसिक स्पष्टता विकसित करने में सहायक पाया गया है। नियमित सहजयोग ध्यान के मानसिक लाभों को लेकर पर्याप्त शोध उपलब्ध हैं। यही कारण है कि आज विश्व के अनेक देशों में लोग मानसिक संतुलन और बेहतर जीवनशैली के लिए सहजयोग का अभ्यास कर रहे हैं।

अंततः कहा जा सकता है कि एकाग्रता और कार्यक्षमता केवल बाहरी संसाधनों से नहीं, बल्कि मन की आंतरिक स्थिरता से विकसित होती हैं। सहजयोग व्यक्ति को उसी आंतरिक स्थिरता का अनुभव कराने का प्रयास करता है। जब मन शांत, संतुलित और निर्विचार होता है, तब विचार अधिक स्पष्ट होते हैं, निर्णय अधिक प्रभावी होते हैं और प्रत्येक कार्य में उत्कृष्टता स्वतः दिखाई देने लगती है। इसलिए सहजयोग केवल ध्यान की एक तकनीक नहीं, बल्कि एक ऐसा जीवन-दर्शन है जो व्यक्ति को भीतर से सशक्त बनाकर उसके व्यक्तित्व, कार्यक्षमता और जीवन की गुणवत्ता को नई दिशा देने का प्रयास करता है।

कबीरः भारतीय चेतना के महासूर्य और अमर गायक

भारतीय संत परंपरा में यदि किसी एक संत ने धर्म, समाज, अध्यात्म और मानवीय चेतना को सबसे अधिक झकझोरा, तो वह नाम है-संत कबीर। वे केवल एक कवि, संत या समाज-सुधारक नहीं थे, बल्कि भारतीय आत्मा की उस जागृत चेतना के प्रतीक थे, जिसने मनुष्य को मनुष्य के रूप में देखने की दृष्टि दी। कबीर भारतीय अध्यात्म के ऐसे महासूर्य हैं, जिनकी वाणी आज भी उतनी ही प्रासंगिक, प्रेरक और क्रांतिकारी है, जितनी छह सौ वर्ष पूर्व थी। आज जब संसार हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, सामाजिक विभाजन, उपभोक्तावाद, मानसिक तनाव और नैतिक पतन जैसी चुनौतियों से जूझ रहा है, तब कबीर की वाणी मानवता के लिए आशा की किरण बनकर सामने आती है। कबीर का समूचा चिंतन मनुष्य को स्वयं से जोड़ने, समाज को समरस बनाने और धर्म को आडंबरों से मुक्त कर उसके मूल स्वरूप तक पहुंचाने का प्रयत्न है।

कबीर का अवतरण ऐसे समय में हुआ, जब भारतीय समाज अनेक प्रकार की रूढ़ियों, कर्मकांडों, जातीय विभाजनों और धार्मिक पाखंडों में उलझा हुआ था। एक ओर मुस्लिम शासकों की धर्मांधता थी, दूसरी ओर हिंदू समाज कर्मकांड और बाह्याचार के बोझ तले दबा हुआ था। धर्म का वास्तविक स्वरूप कहीं खो गया था। ऐसे संक्रमणकाल में कबीर ने निर्भीक स्वर में उद्घोष किया-'पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय। ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।' कबीर ने स्पष्ट किया कि धर्म का सार ज्ञान, प्रेम, करुणा और आत्मानुभूति में है, न कि बाहरी कर्मकांडों में। उन्होंने मंदिर और मस्जिद दोनों की सीमाओं को पार करते हुए मनुष्य के भीतर स्थित परमात्मा की खोज का संदेश दिया। कबीर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अनुभव के संत थे। उन्होंने स्वयं कहा- 'मैं कहता आंखन की देखी, तू कहता कागद की लेखी।' उनकी वाणी किसी ग्रंथ, शास्त्र या परंपरा की दास नहीं थी। उन्होंने जो कहा, अपने अनुभव के आधार पर कहा। यही कारण है कि उनकी वाणी में अद्भुत प्रामाणिकता और जीवन-सत्य का तेज दिखाई देता है। कबीर निरंतर आत्म-परीक्षण के पक्षधर थे। उनका प्रसिद्ध दोहा-'बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय। जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय।' आज के समय में भी उतना ही सार्थक है। वर्तमान समाज में दूसरों की आलोचना, निंदा और दोषारोपण की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। कबीर हमें आत्मनिरीक्षण और आत्मशोधन का मार्ग दिखाते हैं।

संत कबीर सर्वधर्म समभाव के सशक्त प्रवक्ता थे। उन्होंने हिंदू और मुसलमान दोनों समुदायों की संकीर्णताओं की आलोचना की, लेकिन किसी धर्म का विरोध नहीं किया। उनका विरोध केवल अंधविश्वास, पाखंड और कट्टरता से था। उन्होंने कहा-'कंकर-पत्थर जोड़ि के मस्जिद लई बनाय। ता चढ़ि मुल्ला बांग दे, बहरा हुआ खुदाय।' और दूसरी ओर-'पाहन पूजे हरि मिले, तो मैं पूजूं पहार। ताते तो चाकी भली, पीस खाय संसार।' इन दोहों का उद्देश्य किसी धर्म विशेष की आलोचना नहीं, बल्कि मनुष्य को बाहरी आडंबरों से ऊपर उठाकर आंतरिक साधना की ओर ले जाना था। आज जब धार्मिक असहिष्णुता और सांप्रदायिक तनाव विश्व के अनेक देशों में संकट का कारण बने हुए हैं, तब कबीर का संदेश-'अव्वल अल्लाह नूर उपाया, कुदरत के सब बंदे' मानवता के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

कबीर ने जाति-पांति की संकीर्णता को भारतीय समाज की बड़ी कमजोरी माना। उन्होंने सामाजिक समानता और मानवीय गरिमा की स्थापना का प्रयत्न किया। उनका प्रसिद्ध दोहा-'जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान। मोल करो तलवार का, पड़ा रहन दो म्यान।' आज भी सामाजिक समरसता का आधार बन सकता है। कबीर ने मनुष्य की पहचान उसके कर्म, ज्ञान और चरित्र से करने की बात कही। उन्होंने यह सिद्ध किया कि आध्यात्मिक ऊंचाई किसी जाति या वर्ग की बपौती नहीं है। एक सामान्य जुलाहा होकर भी वे भारतीय संत परंपरा के शिखर पुरुष बने। कबीर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिकता केवल जंगलों, आश्रमों और मठों तक सीमित नहीं है। उन्होंने गृहस्थ जीवन जीते हुए उच्चतम आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त कीं। उन्होंने संसार से पलायन नहीं किया, बल्कि संसार में रहकर सत्य, सादगी, श्रम, ईमानदारी और संतत्व को साधा। आज जब जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और भौतिकता बढ़ती जा रही है, तब कबीर का जीवन-संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है कि परिवार और समाज के बीच रहते हुए भी आध्यात्मिक जीवन जिया जा सकता है।

इक्कीसवीं सदी का मनुष्य तकनीकी रूप से समृद्ध होने के बावजूद भीतर से असुरक्षित, अकेला और तनावग्रस्त है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल क्रांति और उपभोक्तावाद के इस युग में मनुष्य अपने भीतर की शांति खोता जा रहा है। ऐसे समय में कबीर का यह संदेश नई दिशा देता है-'माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर। कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर।' कबीर हमें बाहरी उपलब्धियों से अधिक आंतरिक परिवर्तन का महत्व समझाते हैं। वे बताते हैं कि वास्तविक क्रांति मनुष्य के भीतर घटित होती है। पर्यावरण संकट, हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन के इस दौर में कबीर की करुणा, सह-अस्तित्व और सादगी की जीवन-दृष्टि मानव सभ्यता को नई राह दिखा सकती है। कबीर की वाणी किसी एक युग की नहीं, बल्कि समस्त मानवता की धरोहर है। उनकी साखियां, सबद, रमैनी, बीजक और उलटबांसियां आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती हैं। उनकी भाषा सहज, लोकजीवन से जुड़ी और अत्यंत प्रभावशाली है। कबीर स्वयं अशिक्षित माने जाते हैं, किंतु उनकी वाणी में जीवन का ऐसा गहन दर्शन है, जो बड़े-बड़े विद्वानों को भी विस्मित कर देता है। इसीलिए उन्हें 'ज्ञान का सूरज' कहा गया है। उनकी वाणी केवल पढ़ने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। वह मनुष्य को भीतर तक झकझोरती है, उसके अहंकार को तोड़ती है और उसे सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है।

कबीर के देहावसान के समय उनके पार्थिव शरीर को लेकर हिंदू और मुसलमानों में विवाद हुआ। किंवदंती है कि जब चादर हटाई गई तो वहां शरीर के स्थान पर फूल मिले। यह घटना प्रतीक है कि कबीर किसी एक धर्म, संप्रदाय या समुदाय के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता के संत थे।

संत कबीर ने अपने जीवन और वाणी से यह सिद्ध किया कि मनुष्य का वास्तविक धर्म प्रेम, सत्य, करुणा और आत्मबोध है। उन्होंने समाज को नई दृष्टि, धर्म को नई दिशा और अध्यात्म को नया आयाम दिया। आज, संत कबीर जयंती के अवसर पर आवश्यकता इस बात की है कि हम केवल उनके दोहों का पाठ न करें, बल्कि उनके विचारों को अपने जीवन में उतारें। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सचमुच, कबीर भारतीय अध्यात्म के महासूर्य हैं, जिनकी ज्ञान-किरणें युगों-युगों तक मानवता का मार्ग आलोकित करती रहेंगी।

- ललित गर्ग

मॉनसून की सुस्त चाल ने बढ़ाई टेंशन, खेती और अर्थव्यवस्था पर मंडराया खतरा

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत कमजोर रही है। जून के पहले पखवाड़े में बारिश सामान्य से 35-40 प्रतिशत कम रही, जबकि भारतीय मौसम विभाग ने दीर्घकालिक औसत की लगभग 90 प्रतिशत मौसमी बारिश होने का अनुमान लगाया है।

चिंता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन ने प्रशांत महासागर में अल नीनो होने की पुष्टि की है और आने वाले महीनों में इसके तेज होने की संभावना जताई है। किंतु अभी कोई ठोस निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी। बहुत कुछ जुलाई और अगस्त में होने वाली बारिश पर निर्भर करेगा क्योंकि खरीफ की बोआई के लिए ये महत्त्वपूर्ण महीने हैं। फिर भी शुरुआती संकेतों पर बारीकी से ध्यान देना जरूरी है।

पहली चिंता कृषि है। उदाहरण के लिए, कर्नाटक और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में अरहर, मूंग तथा उड़द जैसी दालों की बोआई में आई बाधाओं से पता चलता है कि वर्षा पर निर्भर खेती कितनी नाजुक है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि और उससे जुड़ी गतिविधियों का योगदान केवल 18 प्रतिशत हो सकता है मगर लगभग आधी श्रमशक्ति इसी में लगी हुई है। कमजोर मॉनसून से अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से में ग्रामीण आय, रोजगार और उपभोग मांग प्रभावित हो सकती है। महत्त्वपूर्ण बात है कि भारतीय रिजर्व बैंक के नवीनतम मासिक बुलेटिन में प्रतिकूल दक्षिण-पश्चिम मॉनसून को वृद्धि और मुद्रास्फीति दोनों के लिए प्रमुख घरेलू जोखिमों में गिनाया गया है। इसके दूरगामी परिणाम मुद्रास्फीति पर पड़ते हैं। खाद्य पदार्थों का नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में भी लगभग 37 प्रतिशत हिस्सा है। 2023-24 के अल नीनो संकट से पता चला कि कैसे कम बारिश और ज्यादा गर्मी खाद्य पदार्थों की कीमतों को लगातार ऊंचा रख सकते हैं। खुदरा खाद्य मुद्रास्फीति दर हाल के महीनों में बढ़ने लगी है। लंबे समय तक मॉनसून कमजोर रहा या सर्दियां असामान्य रूप से गर्म रहने पर रबी की फसल प्रभावित हुई तो यह दबाव और बढ़ सकता है। लेकिन अभी घबराने की खास वजह नहीं है। इस सीजन में भारत के पास काफी बफर है। सरकार के पास गेहूं और चावल का पर्याप्त भंडार है और दलहन भंडार भी बढ़ा है। लगातार दो वर्षों में भरपूर फसल के बाद दुनिया भर में खाद्य आपूर्ति भी प्रचुर मात्रा में है। इसलिए खतरा स्थानीय परेशानी का ही है। मॉनसून का मसला भारत की बढ़ती जल समस्या से भी जुड़ा हुआ है। मौसमी वर्षा से जलाशयों, नदियों और भूजल भंडारों को जल मिलता है, जो कृषि और शहरी खपत दोनों को सहारा देते हैं। हाल के वर्षों में कई शहरों को बार-बार पानी की कमी का सामना करना पड़ा है। समस्या अब केवल वर्षा की मात्रा से नहीं बल्कि पानी के भंडारण, पुनर्भरण और प्रबंधन से जुड़ गई है।

-सुनील कुमार महला

प्राकृतिक आपदा आने से पहले तैयार रहना होगा

आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बाहर होती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बड़ी हानि होती है । आर्थिक तंत्र एवं विकास तीतर बितर हो जाते हैं। आपदा की विद्रूपता, भयानक स्वरूप एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति.पर चोट पहुंचती है। तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर अन्य आपदाओं के साथ कोविड-19 के लिए सतर्क होकर कार्रवाई की जानी चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है। एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

भारत के भू भाग का लगभग 58त्न क्षेत्र भूकंप की संभावना वाला क्षेत्र है, जिसमें हिमालयिन क्षेत्र,पूर्वोत्तर राज्य, गुजरात का कुछ क्षेत्र, अंडमान निकोबार द्वीप समूह भूकंप की दृष्टि से सबसे सक्रीय क्षेत्र रहें है। देश के 65 से 68त्न भूभाग पर कभी कम कभी ज्यादा भीषण रूप से सूखा पड़ता है, इसी तरह भारत के पश्चिमी और प्रायद्वीपीय राज्य में मुख्यतः शुष्क तथा अर्ध शुष्क न्यून नमी वाले क्षेत्र सूखे से सदैव प्रभावित रहते हैं। बाढ़ से प्रभावित भूमि का विस्तार क्षेत्र देश के 12त्न है, यानी 7 करोड़ हेक्टेयर जमीन में भूकंप आने की संभावना सदैव बनी रहती है। हिमालय क्षेत्र देश के पर्वतीय क्षेत्र मैं भूस्खलन की गंभीर समस्या की संभावना सदैव बनी रहती है। देश के विशाल तटवर्ती क्षेत्र में चक्रवात तथा सुनामी की भयावह स्थिति की संभावना सदैव बनी रहती है।अब भारत में विश्व के साथ-साथ करोना संक्रमण की भयानक महामारी से प्रभावित होकर हजारों लाखों नागरिकों की जान गवा कर इस आपदा से जंग लड़ रहा है, यह कोविड-19 की महामारी या आपदा प्राकृतिक है या मानव निर्मित यह तो भविष्य ही बताएगा, किंतु इस महामारी ने पूरे वैश्विक स्तर पर आकस्मिक रूप से मानव जीवन में मृत्यु का तांडव मचा के रख दिया है। ऐसी ही अनपेक्षित आपदाओं का पूर्वानुमान अथवा आकलन किया जाना पहले से संभव नहीं हो सकता है। ऐसे में राष्ट्रीय अन्य योजनाओं के साथ-साथ आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर अत्यधिक सावधानी पूर्वक योजना तथा विभाग बनाने चाहिए, देश में जापान जैसे देश की तरह आपदा प्रबंधन से निपटने के लिए अत्याधुनिक आपदा प्रबंधन सिस्टम को तैनात कर तैयार रखने की आवश्यकता होगी।

भारत को आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विभाग को चुस्त-दुरुस्त तथा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त रखने की आवश्यकता है। तूफानी चक्रवात,सुनामी,भूस्खलन, भूकंप, सूखा बाढ़ के अलावा अब कोविड-19 यानी करोना संक्रमण जैसी खतरनाक बीमारियां भारत देश को अपना निशाना बना कर रखा है ।ऐसे में भारत में मध्यम दर्जे का या निम्न दर्जे का आपदा प्रबंधन सिस्टम किसी भी काम का ना रहेगा, एवं इससे भारी जानमाल की हानि होने की संभावना सदैव बनी रहेगी। भारत में आपदा प्रबंधन के लिए 1990 में कृषि मंत्रालय के अंतर्गत डिजास्टर मैनेजमेंट सेल स्थापित किया गया था। लेकिन 1993 में लातूर के भूकंप तथा 1998 में मालपा के भूस्खलन तथा 1999 में ओडिशा में सुपर साइक्लोन तथा 2001 में भुज के भूकंप के बाद देश में एक मजबूत आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की जरूरत को महसूस करते हुए जे,सी, पंत जी की अध्यक्षता में हाई पावर कमेटी की रिपोर्ट में एक सुव्यवस्थित तथा व्यापक सिस्टम तथा विभाग की स्थापना की आवश्यकता प्रतिवेदित की गई थी। 2002 में आपदा को देश की आंतरिक सुरक्षा का मामला मानते हुए आपदा को गृह मंत्रालय के अंतर्गत समाविष्ट किया गया। आपदा प्रबंधन के इतिहास में 2005 में एक बड़ा परिवर्तन लाया गया भारत सरकार ने आपदा को अपनी कार्ययोजना के एक चक्रीय क्रम के रूप में प्रबंधित किया, जिसमें आपदा आ जाने के बाद इसके बचाव, नुकसान की भरपाई, निदान तथा आपदा आने के पूर्व की तैयारी तथा योजना को मूर्त रूप देने का एक सुनियोजित तरीका तैयार किया गया था। आपदा से खतरे का स्तर सभी इंसानों के लिए सदैव एक जैसा होता है। किंतु समाज के विभिन्न वर्गों में खतरे से निपटने तथा जूझने की क्षमता अलग-अलग होती है। निम्न वर्ग का तबका अन्य लोगों की अपेक्षा आपदा से ज्यादा प्रभावित होता है। अतः सरकार को गरीब तथा वंचित वर्ग के तबके के लिए आपदा प्रबंधन में विशेष प्रावधान दिया जाना चाहिए। आपदाओं के प्रबंधन एवं अनुसंधान व त्वरित कार्रवाई के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान तथा राष्ट्रीय आपदा कार्रवाई बल का गठन किया गया है। यह आपदा राशि कार्रवाई बल पर किसी खतरनाक आपदा की स्थिति में रासायनिक, जैविक, परमाणु विकिरण तथा अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित आपदा के संबंध में विशिष्ट कार्यवाही के निर्वहन का उत्तरदायित्व है। ईस संस्था ने बंगाल तथा उड़ीसा के तटीय क्षेत्र में आई सुनामी में काफी बड़ी संख्या में लोगों की जान भी बचाई है। चक्रवाती तूफान से निपटने में हमारे समुचित प्रयासों ने यह सिद्ध कर दिया है कि हाल के वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काफी प्रगति हुई है। परंतु पिछले 1 वर्षों से करोना संक्रमण से हुई बड़ी संख्या में मृत्यु ने देश को हिला कर रख दिया है। और कोविड-19 की प्रथम लहर के बाद द्वितीय लहर ने मृत्यु का तांडव मचा कर देश में हाहाकार मचा दिया है । कोविड-19 की पहली लहर के बाद एवं दूसरी लहर के मध्य देश के आपदा प्रबंधन सिस्टम को पहले से ही सावधान तथा सचेत रहकर पूरी की पूरी तैयारी कर लेनी चाहिए थी ।अगर आपदा प्रबंधन सिस्टम को लगातार मॉनिटर किया जाता एवं उस सिस्टम के अधिकारी जिम्मेदार व्यक्ति सचेत एवं सजग रहते, तो द्वितीय लहर में इस तरह हड़कंप संक्रमण एवं मृत्यु का सामना नहीं करना पड़ता। भारत को आपदा प्रबंधन के सिस्टम पर फिर से आंकलन कर एक नई व्यूह रचना बनाकर गरीब तबके निचले व्यक्ति तथा समग्र रूप से मानव जाति की सुरक्षा के लिए नए-नए उपाय करने चाहिए। क्योंकि आपदा कभी बताकर नहीं आती।इसी तरह कोविड-19 की तीसरी लहर की आशंका को ध्यान में रखते हुए हमें इसकी तैयारी पूर्व से ही कर लेना चाहिए अन्यथा हाथ मलने के अलावा अपने पास कुछ ना रह जाएगा।

-संजीव ठाकुर

भारत में 'मक्का क्रांति' बहुत फायदेमंद, धान की जगह मक्के की खेती से पर्यावरण भी बचेगा व मुनाफा भी बढ़ेगा

पिछले एक दशक में देश के कृषि क्षेत्र की सूरत बहुत तेजी से बदली है। कृषि क्षेत्र में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) की औसत वार्षिक वृद्धि दर बढ़कर 4.68 प्रतिशत हो गई है। ऐसा आंकड़ा पहले कभी नहीं देखा गया था। इस दरम्यान किसानों की आय विनिर्माण और दूसरे गैर-कृषि क्षेत्रों के उत्पादकों की आय के मुकाबले ज्यादा तेजी से बढ़ गई है। किंतु कृषि से जुड़े सभी क्षेत्रों में वृद्धि की कहानी एक जैसी नहीं रही है और इस बात पर गंभीर चिंता जताई जा रही है कि यह वृद्धि तकनीकी प्रगति के बजाय केवल कीमतों में बढ़ोतरी से तो नहीं हो रही है।

वृद्धि में तेजी मुख्य रूप से बागवानी, डेरी, पोल्ट्री और मत्स्य पालन जैसे अधिक मूल्य वाले (हाई वैल्यू) क्षेत्रों के दम पर रही है। इनके उलट अनाज, दलहन, तिलहन, कपास, गन्ना और रेशों जैसी खेतों में होने वाली फसलों में वृद्धि की गति धीमी रही है। इस पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि देश में फसल के कुल रकबे में से 85 प्रतिशत पर ये फसलें ही बोई जाती हैं। साथ ही कृषि और किसान आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा भी इन्हीं से जुड़ा है।

पिछले कुछ वर्षों में फसलों में वृद्धि धीमी रहने का एक बड़ा कारण ऐसी किसी बड़ी तकनीकी उपलब्धि का अभाव रहा है, जिसके कारण उत्पादन क्षमता में तेजी से इजाफा हो सके। सोयाबीन और कपास जैसी कुछ महत्त्वपूर्ण फसलों में तो उपज ठहर गई है बल्कि आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में कम भी हुई है। ऐसी स्थिति में मक्का अपवाद बनकर उभरा है, जिसकी पैदावार तेजी से बढ़ी है और जो भारत में सबसे तेजी से बढ़ने वाली फसल बन गया है।

भारत में 2015-16 में 2.25 करोड़ टन मक्का हुआ था और 2025-26 में इस फसल का कुल उत्पादन बढ़कर 5.50 करोड़ टन तक पहुंच गया। इस दौरान इसका उत्पादन 9.3 प्रतिशत सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ा। यह इजाफा फसल की पैदावार बढ़ने से हुआ, जिसकी वजह से इसका रकबा भी पहले से बढ़ता गया। मक्के की वृद्धि दर अनाज, दलहन और धान की वृद्धि दर से दोगुनी रही है और गेहूं के मुकाबले तो इसमें तीन गुना ज्यादा वृद्धि हुई है।

हरित क्रांति से भी पहले दुनिया भर में मक्के की पैदावार में क्रांति शुरू हो गई थी। मगर भारत में मक्के का कायाकल्प कुछ देर से हुआ। इसमें अहम मोड़ 2007-08 में आया, जब मक्के की पैदावार एक वर्ष के भीतर ही करीब 22 प्रतिशत बढ़ गई तथा उत्पादन में 25 प्रतिशत से ज्यादा इजाफा दर्ज किया गया। इसके साथ ही मक्का पहले के मुकाबले एकदम अलग वृद्धि की राह पर बढ़ गया और उसे बेहतर भविष्य वाली बदलती फसल मान लिया गया। लगभग 4 टन प्रति हेक्टेयर पैदावार के साथ भारत अब वैश्विक स्तर के करीब पहुंच रहा है।

मक्के में वृद्धि की खास बात है कि यह मूल्य के जरिये मदद देने वाली उस व्यवस्था के बगैर हुई है, जो गेहूं और धान को अरसे से मिलती रही है। उन फसलों जैसे नीतिगत प्रोत्साहन नहीं मिलने के बाद भी मक्के ने वृद्धि के मामले में दोनों को पछाड़ दिया है। यह सफलता मक्के की आधुनिक संकर किस्मों के कारण है, जिनका पलड़ा ज्यादा इलाकों में और ज्यादा मौसमों में उग सकने के कारण भारी रहता है। ज्यादातर फसलों के उलट मक्के की खेती देश के सभी कृषि क्षेत्रों में और खरीफ, रबी तथा गर्मी के मौसमों में की जा सकती है।

पिछले दो दशकों में मक्के की पैदावार दोगुनी हो चुकी है और इसका उत्पादन तीन गुने से भी ज्यादा हो गया है मगर भारत और दुनिया के अग्रणी मक्का उत्पादक देशों के बीच पैदावार का बड़ा अंतर बना हुआ है। भविष्य की बात करते हुए विशेषज्ञ कहते हैं कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में पहले से मौजूद उन्नत किस्में अपनाकर राष्ट्रीय स्तर पर मक्के की औसत पैदावार आसानी से 8 टन प्रति हेक्टेयर तक की जा सकती है।

राज्यवार आंकड़े भी ऐसा ही कहते हैं। पश्चिम बंगाल में औसतन प्रति हेक्टेयर लगभग 7 टन मक्का होता है। उसके बाद आंध्र प्रदेश में इसकी पैदावार लगभग 6.5 टन और बिहार में 6.1 टन प्रति हेक्टेयर है। तेलंगाना और तमिलनाडु भी इसी स्तर के करीब पहुंच रहे हैं। इन राज्यों में देश में मक्के का केवल 22 प्रतिशत रकबा है मगर कुल उत्पादन में इनका योगदान 38 प्रतिशत है।

इसके उलट मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे राज्यों में मक्के का रकबा बहुत ज्यादा है मगर पैदावार अब भी 3 टन प्रति हेक्टेयर के इर्द-गिर्द अटकी है। उत्तर प्रदेश में मक्के का 70 प्रतिशत रकबा सिंचित है मगर पैदावार इतने ही या इससे कम सिंचित क्षेत्र वाले राज्यों से कम है। कम पैदावार से उबरने के लिए एकल संकर बीजों का व्यापक उपयोग आवश्यक है।

मक्के में तेज वृद्धि की संभावना तो है ही, पर्यावरण को भी इससे कई फायदे हैं। देश में और विशेष रूप से कम बारिश वाले तथा उत्तर पश्चिम क्षेत्र में धान की ज्यादा खेती ने भूजल का स्तर और भी कम कर दिया है, मिट्टी की गुणवत्ता खराब की है और पर्यावरण पर भी बोझ डाला है। खरीफ के मक्के को बहुत कम पानी की जरूरत पड़ती है और फसल कम वक्त में तैयार हो जाती है।

साथ ही इसकी जड़ें धान की तुलना में मिट्टी की स्थिति को बेहतर बनाए रखती हैं। इसलिए उत्तर पश्चिम भारत में धान की जगह मक्के की खेती को बढ़ावा दिया जाए तो धान-गेहूं से जुड़ी कई पर्यावरण एवं सतत विकास की चुनौतियां दूर की जा सकती हैं। लेकिन इसके लिए नीतिगत प्राथमिकताएं बदलनी होंगी।

-धनंजय राजौरा

नीट पेपर लीक मामले मे युवओ ने किया प्रदर्शन

हाईवे जाम करने की कोशिश, पुलिस ने वाटर कैनन से रोका

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नीट परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर शनिवार शाम को बस स्टैंड पर युवक कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने धरना-प्रदर्शन किया। केंद्र सरकार के खिलाफ उग्र नारेबाजी करते हुए कार्यकर्ताओं ने शहरी हाईवे पर चक्का जाम करने का प्रयास किया। हालांकि, पुलिस ने पहले से ही बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोक लिया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन (फायर वाहन) का इस्तेमाल कर कार्यकर्ताओं पर पानी की बौछारें कीं। करीब 10 मिनट तक युवा कांग्रेस कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ते हुए सड़क पर बैठने की कोशिश करते रहे। तनावपूर्ण माहौल के बीच जब कार्यकर्ता गिरफ्तारी देने के लिए पुलिस के वज्र वाहन में बैठने लगे, तभी एक कार्यकर्ता ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंक दिया। पुलिस ने तुरंत पुतला छीनकर पानी से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता जलता हुआ पुतला लेकर दोबारा भाग निकले।

लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़, इस्तीफा दें शिक्षा मंत्री- युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जयंत सिकरवार ने कहा कि नीट पेपर लीक कांड से देश के लाखों होनहार छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। इस पूरे मामले की नैतिक जिम्मेदारी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की है और उन्हें पद पर बने रहने का कोई हक नहीं है, वे तत्काल इस्तीफा दें। सिकरवार ने चेतावनी दी कि यदि शिक्षा मंत्री का इस्तीफा नहीं हुआ, तो युवक कांग्रेस शाजापुर की हर गली में उग्र प्रदर्शन करेगी।

मृत छात्रों को दी श्रद्धांजलि, बैनर लेकर दर्ज कराया विरोध- प्रदर्शन के दौरान युवक कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा लीक होने के बाद हताशा में आत्महत्या करने वाले 21 छात्र-छात्राओं को मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यकर्ता अपने हाथों में ष्मोदी सरकार पेपर लीक की हत्यारीष् लिखे हुए बैनर व तख्तियां लेकर चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि इस पूरे महाघोटाले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। इस दौरान बड़ी संख्या में युवा कांग्रेस के सदस्य और छात्र उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, नशा मुक्ति का दिया संदेश, जागरूकता प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय विभाग शिवपुरी के तत्वाधान में शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय नशा निवारण दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों पर विस्तृत चर्चा करते हुए समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया।

कार्यक्रम में नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार व्यक्त किए गए तथा युवाओं को नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नशा उन्मूलन के प्रभावी उपायों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान नशा मुक्त अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जो विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर आमजन को नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करेगा।

इस अवसर पर शासकीय श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य श्री पवन श्रीवास्तव, प्रोफेसर श्रीमती पल्लवी शर्मा गोयल, सामाजिक न्याय विभाग के उपसंचालक श्री शशांक विरही सहित स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई।

गुण नियंत्रण सघन अभियान के तहत कृषि आदान विक्रेताओं पर कार्रवाई

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन स्तर से संचालित गुण नियंत्रण सघन अभियान अंतर्गत, कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल के निर्देशानुसार एवं उप संचालक कृषि श्री संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय गुण नियंत्रण दल द्वारा जिले के विकासखण्ड-गुना में मेसर्स श्रीनाथ ट्रेडर्स गुना, मेसर्स कृष्णा कृषि सेवा केन्द्र गुना, मेसर्स श्याम बीज भण्डार गुना, मेसर्स आराध्या कृषि सेवा केन्द्र, मेसर्स अभिनव ट्रेडर्स, मेसर्स रतन कृषि सेवा केन्द्र गुना, मेसर्स मंगल एग्रो सेल्सगुना,कृषि आदान विक्रेताओ के प्रतिष्ठानो का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कृषि आदानो की गुणवत्ता की जांच की गई। जांच दल के द्वारा निरीक्षण में पाई गई कमियो के आधार पर दुकानदारो को कमियों में सुधार कर रजिस्टर संधारण करने के निर्देश दिये। विकासखण्ड-चांचौड़ा के मेसर्स कान्हा एजेंसी बीनागंज, मेसर्स अग्रवाल कृषि सेवा केन्द्र कुंभराज कृषि आदान विक्रेताओ के प्रतिष्ठानो के निरीक्षण के दौरान कृषि आदानो की गुणवत्ता की जांच की गई। जांच दल के द्वारा निरीक्षण में पाई गई कमियो एवं दुकानदारो द्वारा संधारित स्टॉक रजिस्टर के अनुसार भण्डारित भौतिक मात्रा का मिलान न होने के आधार पर गोदामो/दुकानो को सील करने के साथ ही संबंधित संस्थाओ का बीज विक्रय प्रतिबंधित किया गया और संबंधितो को कारण बताओ नोटिस जारी किये गये। कारण बताओ नोटिस का प्रतिउत्तर संतोषजनक नही पाये जाने की स्थिति में संबंधितो के विरूद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जावेगी।

कूनो उद्गम से केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने दियाजल, जंगल और जनआस्थासंरक्षण का संदेश

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत कूनो नदी के उद्गम स्थल ग्राम कंजा पहुंचकर जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं धार्मिक आस्था के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने उद्गम स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा कलश यात्रा के माध्यम से लाए गए पवित्र जल को शास्त्री मंदिर में अर्पित कराया। इसके बाद एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ 700पौधों का रोपण किया। साथ ही उन्होंने खुटियावद-म्याना में लगभग 20करोड़ रुपये की लागत से स्थापित पीएम-कुसुम योजना के 3.8मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र का लोकार्पण तथा ग्राम पटाई में श्री राम-जानकी मंदिर जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन भी किया।

प्रकृति की रक्षा हमारा धर्म है - सिंधिया- केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नदियों को माता का स्वरूप माना गया है। उन्होंने कहा कि जल है तभी जीवन है और वर्तमान समय में बढ़ते तापमान एवं पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए जल स्त्रोतों एवं वृक्षों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का धर्म होना चाहिए। उन्होंने महात्मा गांधी के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि पृथ्वी सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकती है, लेकिन किसी एक व्यक्ति के लोभ की नहीं। उन्होंने कूनो उद्गम स्थल के संरक्षण एवं बावड़ी निर्माण कार्य की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले वर्षों में यह पूरा क्षेत्र घने वृक्षों से आच्छादित होगा।

दो दिन बाद आधे शहर में बारिश, आधे शहर में धूप के साथ बरसे बादल

नगर में दिखे मौसम के दो रूप, 4 को जिले में प्रवेश करेगा मानसून

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में प्री-मानसून का दौर जारी है। जिसके चलते नगरवासियों को कभी बर्दाश्त करना पड़ रही तो कभी हल्की बारिश से राहत मिल रही है। गुरूवार के बाद शनिवार को नगर में बारिश जरूर हुई लेकिन आधे शहर में बारिश हो रही थी तो आधे में खिली धुप के साथ बादल बरस रहे थे। यह बारिश लोगों के लिए मुसीबत बन गई और उमस से लोगों का बुरा हाल होता रहा।

शहर में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे मौसम का एक अनोखा रूप देखने को मिला। सुबह से तेज धूप और उमस के बाद दोपहर में अचानक घने बादल छा गए। इसके बाद शहर के महुपुरा क्षेत्र में तेज बारिश शुरू हो गई, जबकि उसी समय बस स्टैंड, सोमवारिया बाजार, आजाद चौक सहित विभिन्न इलाको में तेज धूप खिली हुई थी। इस दौरान बारिश तो हुई, लेकिन धूप होने की वजह से बारिश थमते ही उमस से लोगों का बुरा हाल होने लगा। हालांकि शाम को ठंडी हवाओं ने नगरवासियों को गर्मी से राहत दी। मौसम विभाग की माने तो शनिवार शाम या देर रात को भी बारिश की संभावना है।

जारी रहेगा बारिश का दौर, मिलेगी गर्मी से राहत- मौसम विभाग के अनुसार नगर में 2 जुलाई तक प्री-मानसूनी गतिविधियां जारी रहेंगी। इस दौरान प्रतिदिन बारिश की संभावना बनी रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को नगर का अधिकतम तापमान 35.8 व न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम केंद्र ने शनिवार शाम तक जिले के कई हिस्सों में गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ भारी बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जारी किया है कि शनिवार से लेकर 2 जुलाई तक जिले में हर दिन कहीं न कहीं बारिश और गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

4 जुलाई से और बढ़ेगी मानसूनी एक्टिविटी- मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 4 जुलाई तक जिले में मानसूनी गतिविधियों में और तेजी आएगी, जिससे झमाझम बारिश का दौर शुरू होगा और तापमान में भी गिरावट दर्ज की जाएगी। गौरतलब है कि इससे पहले गुरुवार को जिले में करीब दो घंटे तक जोरदार बारिश हुई थी, जिसके बाद शुक्रवार को दिनभर मौसम साफ रहा और शनिवार दोपहर को मौसम बदला व कुछ देर हल्की बारिश हुई।

350 रू. प्रति वर्ष की कीमत पर मिलेगा 5 लाख तक का बीमा कवर

डाक विभाग ने शुरू की नई योजना

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। डाक विभाग ने आम जनता को कम खर्च में सुरक्षा देने के लिए इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के माध्यम से एक नई और दुर्घटना बीमा योजना की शुरुआत की है। इस योजना के तहत बेहद कम वार्षिक प्रीमियम पर 5 लाख से लेकर 15 लाख रुपए तक का दुर्घटना बीमा कवर दिया जा रहा है। एक साल की अवधि वाली इस बीमा योजना का लाभ लेने के लिए हर साल इसका रिन्यूअल कराना होगा।

अलग-अलग प्रीमियम पर मिलेंगे ये फायदे- डाक विभाग की इस योजना में प्रीमियम के तीन विकल्प रखे गए हैं। जिसके अनुसार 350 रुपए वार्षिक प्रीमियमरू 5 लाख रुपए तक का दुर्घटना कवर। 550 रुपए वार्षिक प्रीमियमरू 10 लाख रुपए तक का दुर्घटना कवर। 749 रुपए वार्षिक प्रीमियमरू 15 लाख रुपए तक का दुर्घटना कवर की सुविधा मिलेगी। वहीं इस योजना के अंतर्गत दुर्घटना में मृत्यु, स्थायी या आंशिक विकलांगता होने पर पूरी बीमा राशि दी जाएगी। साथ ही दुर्घटना के बाद अस्पताल में भर्ती होने पर इलाज के लिए 1 लाख रुपए तक की सहायता और दो बच्चों की शिक्षा के लिए 1 लाख रुपए तक का प्रावधान है। अस्पताल में रहने के दौरान अधिकतम 15 दिनों तक रोजाना 500 रुपए का भत्ता मिलेगा। मृत्यु होने पर अंतिम संस्कार के लिए 5 हजार रुपए और डॉक्टर परामर्श की सुविधा भी इसमें जोड़ी गई है।

29 जून से 1 जुलाई तक 17 जिलों में चलेगा विशेष अभियान- योजना का लाभ 18 से 65 वर्ष तक की आयु के लोग ले सकते हैं, बशर्ते उनका इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक में खाता हो। यह खाता मोबाइल नंबर और पहचान पत्र के जरिए सिर्फ 200 रुपये में खोला जा सकता है। इंदौर परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि योजना के प्रचार-प्रसार के लिए 29 जून से 1 जुलाई 2026 तक शाजापुर, आगर मालवा, उज्जैन और देवास सहित 17 जिलों में विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। नागरिक अपने नजदीकी डाकघर या डाकिया से मिलकर इसका लाभ ले सकते हैं।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बीना रुठियाई मेमू ट्रेन सेवा को दिखाई हरी झंडी

गुना/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय रेल के विस्तार एवं यात्री सुविधाओं को बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शनिवार को 27 जून 2026 को गाड़ी संख्या61625/26 बीनाङ्कगुनाङ्करूठियाईङ्क मेमू एक्सप्रेसका शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्रीश्री ज्योतिरादित्य सिंधियानेगुना रेलवे स्टेशनसे हरी झंडी दिखाकर मेमू एक्सप्रेस को रवाना किया।रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार शुरू की गई इस नई मेमू सेवा से गुना, रूठियाई, बीना एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा उपलब्ध होगी। नई ट्रेन के संचालन से दैनिक यात्रियों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं व्यापारियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी तथा क्षेत्रीय संपर्क और परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि लगभग डेढ़ सौ वर्ष पहले जिस स्तर का रेलवे नेटवर्क ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में विकसित हुआ था, वैसा देश के बहुत कम क्षेत्रों में देखने को मिलता था। उन्होंने कहा कि इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्र में लगातार रेल सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि गुना-बीना रेलखंड का दोहरीकरण और विद्युतीकरण कराया गया। पहले इस मार्ग पर केवल तीन ट्रेनें संचालित होती थीं, लेकिन बाद में ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी, ग्वालियर-इंदौर इंटरसिटी, इंदौर-कोटा सहित कई नई ट्रेनों का संचालन शुरू कराया गया।

जिले के 2.65 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो की दो बूंद, 2,150 पोलियो बूथ, 56 ट्रांजिट बूथ एवं 40 मोबाइल टीमें रहेंगी तैनात

शिवपुरी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पल्स पोलियो जागरूकता रैली निकालीकलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अर्पित वर्मा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर के नेतृत्व में जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन 28 से 30 जून 2026 तक किया जाएगा। अभियान के प्रथम दिवस 28 जून (रविवार) को जन्म से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा पिलाई जाएगी।

जिले में 2,65,395 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।जागरूकता रैली निकालकर किया जनजागरण अभियान के सफल संचालन एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से शनिवार को जिला चिकित्सालय शिवपुरी से जागरूकता रैली निकाली गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली जिला चिकित्सालय से प्रारंभ होकर राजेश्वरी रोड, गुरुद्वारा चौराहा, माधव चौक एवं कोर्ट रोड होते हुए एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पहुंचकर संपन्न हुई।2,150 बूथों पर पिलाई जाएगी पोलियो की खुराकमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय ऋषीश्वर ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 2,150 पोलियो बूथ, 56 ट्रांजिट बूथ तथा 40 मोबाइल टीमों का गठन किया गया है। ट्रांजिट बूथ रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर संचालित किए जाएंगे, जबकि मोबाइल टीमें घुमंतू परिवारों, सड़क निर्माण स्थलों, क्रेशर एवं ईंट-भट्टों पर रहने वाले प्रवासी परिवारों के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाएंगी। अभियान में लगभग 4,300 कर्मचारी एवं 220 सुपरवाइजर अपनी सेवाएं देंगे। अभियान की सतत निगरानी जिला प्रशासन एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा की जाएगी।अभिभावकों से सहयोग की अपीलजिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. रोहित भदकारिया ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे 28 जून को अपने जन्म से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को निकटतम पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर जाएं तथा उन्हें पोलियो की दो बूंद जीवनरक्षक दवा अवश्य पिलवाएं, ताकि कोई भी बच्चा इस राष्ट्रीय अभियान से वंचित न रहे।

पूर्व प्राचार्य की लापरवाही से लॉ कॉलेज पर लगी दो लाख की पेनल्टि

स्थानांतरण होने से किसी को नहीं मिला प्रभार, संबद्धता शुल्क जमा करने में हुई देरी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय शासकीय विधि महाविद्यालय को पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कनेरिया की लापरवाही के कारण दो लाख रुपये की पेनल्टी भरनी पड़ी है। यह पेनल्टी सत्र 2026-27 के लिए बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआई) को संबद्धता शुल्क निर्धारित समय सीमा में जमा न करने के कारण लगाई गई है। उनका स्थानांतरण होने के कारण प्राचार्य कक्ष में ताला लगा था और किसी को प्रभार भी नहीं मिला था। जिसके चलते शुल्क जमा करने में देरी हुई।

दरअसल डॉ. कनेरिया का स्थानांतरण हरदा हो गया था और वे प्राचार्या कक्ष में ताला लगाकर चले गए थे। नवीन प्रभारी प्राचार्य मनोहर सिंह मेवाड़ा ने पदभार संभालने के बाद बीसीआई से संपर्क किया। उन्हें बताया गया कि विलंब के कारण महाविद्यालय को दो लाख रुपये की पेनल्टी जमा करनी होगी, अन्यथा संबद्धता नहीं मिलेगी और नए प्रवेश प्रभावित होंगे। इसके बाद जब जनभागीदारी खाता देखा गया तो उसमें भी पर्याप्त राशि न होने के कारण बीकेएसएन अग्रणी महाविद्यालय से आर्थिक सहायता लेकर यह पेनल्टी जमा की गई।

पांच सदस्यों की उपस्थिति में खोला ताला, गायब मिली सामग्री - प्रभारी प्राचार्य मनोहर सिंह मेवाड़ा ने बताया कि पूर्व प्रभारी प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार कनेरिया स्थानांतरण के समय प्राचार्य कक्ष पर ताला लगाकर चले गए थे। जिनसे कई बार संपर्क करने के बावजूद कक्ष की चाबी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके बाद महाविद्यालय प्रशासन ने पांच सदस्यों की उपस्थिति में पंचनामा तैयार कर नियमानुसार प्राचार्य कक्ष का ताला खुलवाया। कक्ष खुलने के बाद महाविद्यालय की सामग्री का सत्यापन किया गया। जांच में कान्फ्रेंस हाल का ब्लूटूथ, कुछ सीसीटीवी कैमरे और एक फुट मसाज किट अनुपलब्ध पाए जाने का दावा किया गया है। प्रभारी प्राचार्य का कहना है कि सामग्री का विधिवत हस्तांतरण न होने से महाविद्यालय के प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए हैं।

सेंवढ़ा विधायक अग्रवाल ने हरी झण्डी दिखाकर पल्स पोलियो अभियान का किया शुभारंभ

दतिया/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले को पोलियो मुक्त बनाए रखने तथा प्रत्येक पांच वर्ष तक के बच्चे को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ कलेक्टर श्री स्वप्निल वानखड़े के निर्देशन में किया गया। अभियान के शुभारंभ अवसर पर विधायक सेंवढ़ा श्री प्रदीप अग्रवाल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.के. वर्मा एवं जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डी.के. सोनी की उपस्थिति में जनजागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जनजागरूकता रैली के माध्यम से आमजन से अपील की गई कि वे अपने पांच वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं तथा अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। विधायक श्री प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रत्येक परिवार की सहभागिता आवश्यक है।

उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्वास्थ्य विभाग के इस जनहितकारी अभियान में सक्रिय सहयोग प्रदान करें तथा अपने आसपास के परिवारों को भी बच्चों को पोलियो की खुराक दिलाने के लिए प्रेरित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी.के. वर्मा ने बताया कि जिले में पल्स पोलियो अभियान के सफल संचालन के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। अभियान के तहत जिलेभर में कुल 1050 टीमें गठित की गई हैं, जिनमें लगभग 2100 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की तैनाती की गई है। इन टीमों के कार्यों की निगरानी एवं प्रभावी संचालन के लिए 110 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। सभी टीमें निर्धारित माइक्रोप्लान के अनुसार घर-घर जाकर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेंगी। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. डी.के. सोनी ने बताया कि घर-घर भ्रमण के अतिरिक्त विशेष मोबाइल टीमें भी गठित की गई हैं।

ये टीमें जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों, जिनमें पीताम्बरा मंदिर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड तथा अन्य भीड़-भाड़ वाले स्थान शामिल हैं, पर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे। उन्होंने अभिभावकों से अपील की, कि यदि कोई टीम उनके घर पहुंचे तो वे अपने बच्चों को पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं। पोलियो की प्रत्येक अतिरिक्त खुराक बच्चों के स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित एवं लाभकारी है। इसलिए सभी अभिभावक यह सुनिश्चित करें कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रहे।

ट्रेन से गिरकर युवक घायल

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार शाम को भोपाल-दाहोद एक्सप्रेस से गिरकर एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान भोपाल के रहने वाले विशाल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विशाल दोपहर को भोपाल से ट्रेन में सवार हुआ था और आलोट अपनी ससुराल अपनी पत्नी से मिलने जा रहा था। जब ट्रेन मक्सी स्टेशन के पास पहुंची तब वह कोच के दरवाजे (गेट) पर बैठा हुआ था। इसी दौरान अचानक उसका बैलेंस बिगड़ा और वह तेज रफ्तार चलती ट्रेन से सीधे नीचे कंक्रीट पर जा गिरा। ट्रेन से युवक के गिरने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद स्थानीय लोगों ने तुरंत मुस्तैदी दिखाते हुए 108 एंबुलेंस और रेलवे पुलिस (प्रशासन) को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल विशाल को पहले मक्सी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। फिलहाल जिला अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य सेवन एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस पर जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 26 जून, अंतर्राष्ट्रीय मादक द्रव्य सेवन एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर विकासखंड आलोट में नशा मुक्ति जागरूकता एवं शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु जनभागीदारी सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला समन्वयक श्री रत्नेश विजयवर्गीय, श्री सतीश टांक एवं विकासखंड समन्वयक श्री मुकेश कटारिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधियों, समाजसेवियों तथा बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन के साथ हुआ। इसके पश्चात नशे के दुष्प्रभाव, मादक पदार्थों से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों तथा युवाओं की सकारात्मक भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई।

जिला समन्वयक श्री रत्नेश विजयवर्गीय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति की प्रतिभा, स्वास्थ्य, परिवार एवं भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहें तथा अपने परिवार, मित्रों और समाज में भी नशा मुक्ति का संदेश पहुँचाकर जनजागरूकता के वाहक बनें। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान का उद्देश्य जनसहभागिता के माध्यम से स्वस्थ, सुरक्षित एवं नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है।

विकासखंड समन्वयक श्री मुकेश कटारिया ने अपने संबोधन में कहा कि युवा राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हैं। यदि युवा शिक्षा, संस्कार, खेल, योग एवं सकारात्मक गतिविधियों से जुड़कर नशे से दूर रहेंगे तो विकसित भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केवल व्यक्तिगत नहीं बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है।

श्री सतीश टांक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने युवाओं को खेल, योग, अध्ययन एवं रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा समाज में नशा विरोधी जनजागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया। नवांकुर संस्था दुधावती सेवा समिति के अध्यक्ष श्री अमर सिंह झाला ने कहा कि नशा मुक्त समाज के निर्माण में युवाओं, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी को मिलकर इस अभियान को जनआंदोलन बनाना होगा।

इस अवसर पर उपस्थित सभी विद्यार्थियों, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने संकल्प लिया कि वे स्वयं किसी भी प्रकार के नशे का सेवन नहीं करेंगे तथा अपने परिवार, मित्रों एवं समाज को भी नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

कलापथक दल द्वारा प्रस्तुति दी गई- कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्री महेंद्र सिंह कंथारिया, श्री जगदीश शर्मा (धतुरिया), श्री किशोर सिंह डोडिया (नारायणी), श्री अमर सिंह झाला (दुधावती), परामर्शदाता श्री मिथिलेश जोशी, पूजा सांखला, संदीप सांखला, हेमेंद्र सिंह निगम, श्री ऋषिकांत सिंह पवार, श्री अमित रामावत सहित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में परामर्शदाता श्री मिथिलेश जोशी ने सभी अतिथियों, विद्यार्थियों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त किया। सभी ने ÷नशा मुक्त भारत ङ्क विकसित भारत÷ के संकल्प को दोहराते हुए समाज को नशा मुक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

धार में पल्स पोलियो अभियान की अलखविधायक नीना वर्मा ने जागरूकता रैली को दिखाई हरी झंडी

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत 28 जून को आयोजित होने वाले विशेष टीकाकरण दिवस के पूर्व जिले में व्यापक जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा नगर पालिका के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को क्षेत्रीय विधायक श्रीमती नीना विक्रम वर्मा ने लाल बाग परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रैली लाल बाग से प्रारंभ होकर मोहन टॉकीज, हटवाड़ा बाजार, आनंद चौपाटी एवं जवाहर मार्ग सहित प्रमुख मार्गों से होकर पुनः लाल बाग पहुंची। रैली में आशा एवं उषा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, नर्सिंग छात्र-छात्राएं तथा स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों ने पोलियो उन्मूलन संबंधी नारों एवं संदेशों के माध्यम से आमजन को अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाने के लिए प्रेरित किया।जिले में 28 जून को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के तहत 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 3,46,177 बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए जिले में 2538 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं। अभियान के सफल संचालन हेतु 5076 टीकाकर्मी एवं 254 पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनीता सिंगारे ने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया गया है तथा पोलियो वैक्सीन एवं आवश्यक सामग्री संबंधित केंद्रों तक पहुंचा दी गई है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.नरेंद्र पवैया ने बताया कि अभियान की माइक्रोप्लानिंग, वैक्सीन वितरण, कोल्ड चेन प्रबंधन एवं मॉनिटरिंग की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

अवैध शराब बिक्री के विरोध में ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही अवैध शराब की बिक्री और उससे उत्पन्न हो रही सामाजिक समस्याओं के विरोध में आज ग्रामीणों ने एकजुट होकर स्थानीय पुलिस थाने में ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल को ज्ञापन देकर अवैध शराब के ठिकानों पर तुरंत सख्त कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन सौंपते समय ग्रामीणों ने थाना प्रभारी को बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री के कारण युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है। इससे आए दिन लड़ाई-झगड़े होते हैं और गाँव का माहौल खराब हो रहा है। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है। थाना प्रभारी रणजीत सिंह बघेल ने ग्रामीणों की शिकायत को गंभीरता से सुना और आश्वासन दिया कि अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ जल्द ही सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी। इस अवसर पर चंदन सिंह बड़वाया, प्रवीण ठाकुर, अर्जुन ठाकुर, नरपत ठाकुर, मुकेश ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर, कल्याण सिंह, आसाराम, मोहित ठाकुर, ऋतिक ठाकुर, कुलदीप ठाकुर, गौतम डाबी सहित बड़ी संख्या में अन्य ग्रामवासी मुख्य रूप से मौजूद थे।

जिला जेल धार में नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

धार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में, आज जिला जेल धार में %नशीली दवाओं के दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस% के उपलक्ष्य में एक भव्य नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों को मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना था।

आध्यात्मिक चेतना और नशामुक्ति पर जोर - कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री प्रदीप सोनी, न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धार ने बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि, नशा एक अभिशाप है जो व्यक्ति के शरीर, मस्तिष्क और चरित्र को अंदर से खोखला कर देता है।÷ उन्होंने बंदियों को आध्यात्मिकता का मार्ग अपनाने की सलाह दी और कहा कि यदि हम प्रतिदिन ईश्वर की भक्ति में मन लगाएं, तो कठिन से कठिन नशों की लत को भी आसानी से छोड़ा जा सकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मादक पदार्थों के सेवन से न केवल व्यक्ति का स्वास्थ्य बिगड़ता है, बल्कि उसका पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक रूप से बर्बाद हो जाता है। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारी शीतल, शीला दीदी और राधेश्या मजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि एक स्वस्थ और विकसित भारत के निर्माण के लिए नशे का समूल नाश अनिवार्य है। उन्होंने उपस्थित सभी बंदियों और जेल स्टाफ को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ दिलाई।

नागदा में जैन संतों का मंगल प्रवेश, भक्तामर पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन संपन्न

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निद्रा विजेता, तपस्वीराज परम पूज्य गुरुदेव श्री लाभचन्द्रजी म.सा. के सुशिष्य तपोकेसरी उपप्रवर्तक श्री अरुणमुनिजी म.सा. एवं सेवाभावी श्री सुरेशमुनि जी म.सा. आदि ठाणा-2 का शनिवार को नागदा नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। नगरवासियों एवं श्रद्धालुओं ने संतों का श्रद्धाभाव के साथ स्वागत किया।

स्थानक संघ सचिव अरविंद नाहर एव मीडिया प्रभारी नितिन बुड़ावनवाले ने बताया कि पूज्य संतगण बिरियाखेड़ी से विहार कर प्रातः आदित्य विद्या मंदिर, आर्य गार्डन चौराहा पहुंचे, जहां से नगर प्रवेश करते हुए गुलाब बाई कॉलोनी स्थित अरविंद नाहर के निवास (अर्चना टेंट हाउस) पर पधारे

नगर प्रवेश के उपरांत पूज्य गुरुदेव के सानिध्य में श्री भक्तामर पाठ एवं सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर मुनिश्री ने भक्तामर स्तोत्र के पाठ का महत्व एवं उससे प्राप्त होने वाले आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डाला। उपस्थित श्रद्धालुओं को मांगलिक श्रवण भी कराया गया तथा प्रभावना का लाभ नाहर परिवार ने लिया।

इसके पश्चात संतों के सानिध्य में सींघी कॉलोनी निवासी पारस गांधी के निवास पर सामूहिक नवकार मंत्र जाप का आयोजन भी संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने धर्मलाभ प्राप्त किया।

रविवार को होगा विशेष आयोजन - रविवार को समाजसेवी सतीश जैन (सावेर वाले) के निवास पर श्री भक्तामर पाठ एवं सामूहिक नवकार मंत्र जाप का आयोजन किया जाएगा। पूज्य संतगण महावीर भवन से विहार कर उनके निवास पर पधारेंगे।

ये रहे उपस्थित - राजेन्द्र काठेड, अक्षय नाहर, श्रेणीक बम, दिलीप काठेड, सुनील सकलेचा, राजेश सकलेचा,वर्धमान घोका, प्रकाशचन्द्र बुड़ावनवाला, सतीश जैन,कमल जैन (सहारा), अमित बम,संजय मुरडिया, अभिषेक नाहर, धर्मेन्द्र बम,अनिल पावेचा, अजय मुरडिया, पारस पोखरना,सन्तोष नाहटा, राकेश कोलन, हर्ष तरवेचा, सुरेश गोलेच्छा, प्रशांत नाहर, गोरव नाहर एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

गुना का मिनी इजराइल बना भटोदिय, ड्रिप और मल्चिंग से करते हैं 90% किसान सब्जियों की खेती

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री किशोर कन्याल के दिशा-निर्देशन में जिले में उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे सतत प्रयासों का सकारात्मक परिणाम अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। बमोरी विकासखंड का भटोदिया गांव आज आधुनिक एवं वैज्ञानिक सब्जी उत्पादन का ऐसा मॉडल बन गया है, जिसे लोग ÷गुना का मिनी इजराइल÷ कहने लगे हैं। महज 10 किलोमीटर दूर स्थित इस गांव ने कुछ ही वर्षों में उद्यानिकी के क्षेत्र में ऐसी पहचान बनाई है कि अब यह अन्य किसानों के लिए प्रेरणा का केंद्र बन गया है।

गांव में कुल 110 किसान परिवार हैं, जिनमें से 97 किसान वर्षा ऋतु में उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत सब्जियों की खेती कर रहे हैं। लगभग सभी किसान ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग, स्टैकिंग, फर्टिगेशन एवं उन्नत हाइब्रिड बीजों का उपयोग कर वैज्ञानिक तरीके से खेती कर रहे हैं। यहां की ढालू एवं मुरमी (रेतीली) भूमि को किसानों ने आधुनिक तकनीकों की मदद से अधिक उत्पादन वाली खेती में बदल दिया है।

भटोदिया में मुख्य रूप से कद्दूबर्गीय सब्जियां जैसे तोरई, खीरा, करेला, लौकी तथा अन्य बेल वाली सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। यहां उत्पादित सब्जियां केवल गुना की मंडियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ग्वालियर, मथुरा और दिल्ली जैसे बड़े बाजारों में भी पहुंच रही हैं।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी रामकुमार दिवाकर ने बताया कि कुछ वर्ष पहले किसान पारंपरिक तरीके से खेती करते थे, जिससे उत्पादन कम और लागत अधिक आती थी। उद्यानिकी विभाग ने गांव में लगातार प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन एवं योजनाओं का लाभ पहुंचाया। विभाग द्वारा ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग पर 50 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध कराया गया, जिससे किसानों की लागत कम हुई और आधुनिक तकनीकों को अपनाने का उत्साह बढ़ा। परिणामस्वरूप किसानों का उत्पादन दो से तीन गुना तक बढ़ गया।

वैज्ञानिक तकनीकों का प्रभाव किसानों की आय पर भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। पहले जहां परंपरागत खेती से किसानों को प्रति एकड़ 40 से 50 हजार रुपये तक का शुद्ध लाभ मिलता था, वहीं अब आधुनिक सब्जी उत्पादन से प्रति एकड़ 3 से 4 लाख रुपये तक का शुद्ध मुनाफा प्राप्त हो रहा है। ड्रिप सिंचाई से पानी की बचत के साथ जल में घुलनशील उर्वरकों को फर्टिगेशन के माध्यम से सीधे पौधों की जड़ों तक पहुंचाया जाता है। मल्चिंग से नमी संरक्षण एवं खरपतवार नियंत्रण होता है, जबकि स्टैकिंग तकनीक से बेल वाली फसलों को सहारा मिलने से गुणवत्तापूर्ण एवं अधिक उत्पादन प्राप्त हो रहा है।

भटोदिया की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि 8 से 10 वर्ष पहले जहां गांव में मात्र 3 हेक्टेयर क्षेत्र में सब्जी उत्पादन होता था, वहीं आज यह बढ़कर 97 हेक्टेयर तक पहुंच चुका है। इससे गांव की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार आया है और किसानों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिल रहा है।

उप संचालक उद्यान के.पी.एस. किरार ने बताया कि उद्यानिकी विभाग जिले में क्लस्टर आधारित खेती को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रहा है। विभाग का उद्देश्य ऐसे गांव विकसित करना है, जहां अधिक से अधिक किसान एक ही क्षेत्र में उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसलों की वैज्ञानिक खेती करें। इससे तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण, विभागीय योजनाओं का लाभ और विपणन व्यवस्था अधिक प्रभावी बनती है। भटोदिया इसका उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां किसानों ने सामूहिक रूप से आधुनिक तकनीकों को अपनाकर खेती को अत्यधिक लाभकारी बनाया है। आने वाले समय में जिले के अन्य गांवों में भी इसी मॉडल को विकसित किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक किसान उद्यानिकी फसलों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकें।

भटोदिया आज यह सिद्ध कर चुका है कि यदि किसानों को समय पर तकनीकी मार्गदर्शन, आधुनिक तकनीक और शासकीय योजनाओं का लाभ मिले तो सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण भूमि पर भी खेती को अत्यधिक लाभकारी बनाया जा सकता है। यही कारण है कि यह गांव आज पूरे गुना जिले में उद्यानिकी आधारित समृद्धि और वैज्ञानिक खेती का प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभरा है।

प्राकृतिक खेती ने बदली जिंदगी, लक्ष्मी स्व सहायता समूह की दीदी आत्मा परियोजना से कृषि सखी बन सीखा बीआरसी आदान का कार्य

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रासायनिक खेती से बढ़ती लागत और घटते मुनाफे के बीच जिले के पाटन विकासखंड के सिमरिया कंतोरा गांव की किसान सविता विश्वकर्मा ने प्राकृतिक खेती को अपनाकर अपनी खेती और जिंदगी दोनों की तस्वीर बदल दी। कभी यूरिया-डीएपी और रासायनिक दवाओं पर निर्भर रहने वाली सविता आज प्राकृतिक खेती के जरिए 3 एकड़ जमीन से सालाना करीब ढाई लाख रुपए की आय अर्जित कर रही हैं। उनकी सफलता अब गांव के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा बन रही है।

सविता विश्वकर्मा के पास कुल 3 एकड़ कृषि भूमि है, जिसमें वह धान, गेहूं, उड़द और मूंग की खेती करती हैं। सिंचाई के लिए उनके पास नलकूप है और उनके पास 6 देसी गायें भी हैं, जो प्राकृतिक खेती की उनकी पूरी व्यवस्था का आधार हैं। मध्य प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन विकास खंड पाटन के अंतर्गत लक्ष्मी स्व सहायता समूह से जुड़कर व सविता ने आत्मा परियोजना से कृषि सखी बन बीआरसी आदान का कार्य सीखा और अब उन्नत खेती कर रही है।

रासायनिक खेती से बढ़ी परेशानी, जमीन हुई पथरीली - सविता बताती हैं कि लंबे समय तक यूरिया और डीएपी के उपयोग से उनकी जमीन की उर्वरता प्रभावित होने लगी थी। खेत की मिट्टी पथरीली होती जा रही थी, जिससे बार-बार सिंचाई करनी पड़ती थी। फसलों को कीट और रोगों से बचाने के लिए भारी मात्रा में रासायनिक दवाओं का इस्तेमाल करना पड़ता था। इससे खेती की इनपुट कॉस्ट लगातार बढ़ रही थी, जबकि उत्पादन और लाभ दोनों उम्मीद के मुताबिक नहीं मिल रहे थे।

आत्मा परियोजना से मिली राह, प्रशिक्षण से बदला नजरिया- खेती में बढ़ती लागत और घटते लाभ के बीच सविता का चयन आत्मा परियोजना के माध्यम से कृषि सखी के रूप में हुआ। इसके बाद उन्हें कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया। शुरुआत में उन्हें संदेह था कि बिना यूरिया-डीएपी के फसल कैसे होगी, लेकिन कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्हें पहले एक एकड़ में प्रयोग करने की सलाह दी।

प्रशिक्षण के बाद सविता ने अपनी देसी गाय के गोबर-गोमूत्र और ऐसी पत्तियों से, जिन्हें पशु नहीं खाते, जीवामृत, नीमास्त्र, ब्रह्मास्त्र और दशपर्णी अर्क जैसे जैविक आदान तैयार करना शुरू किया। इनका उपयोग उन्होंने खेत में किया और धीरे-धीरे प्राकृतिक खेती को अपनाते रही।

पहले साल चुनौतियां, फिर दिखने लगा बदलाव - सविता के अनुसार प्राकृतिक खेती की शुरुआत आसान नहीं थी। पहले साल उत्पादन में कुछ कमी जरूर आई, लेकिन खेत की मिट्टी में नमी रुकने लगी, सिंचाई की जरूरत कम हुई और रासायनिक दवाओं पर निर्भरता भी घट गई। इसका सीधा असर लागत पर पड़ा। कुछ ही समय बाद उत्पादन में सुधार हुआ और पहले की तुलना में अधिक उपज मिलने लगी। इससे उनकी आमदनी भी बढ़ी।

अब कोई खेत खाली नहीं, साल भर होती है खेती - आज सविता विश्वकर्मा अपनी 3 एकड़ जमीन पर साल भर खेती करती हैं। धान, गेहूं, उड़द और मूंग जैसी फसलें लेकर वह खेत को खाली नहीं छोड़तीं। प्राकृतिक खेती और बेहतर फसल प्रबंधन के चलते अब उनकी सालाना आय करीब 2.5 लाख रुपए तक पहुंच गई है। वह खेती के साथ-साथ जैविक आदान तैयार करने और किसानों को उसके उपयोग के बारे में बताने का काम भी कर रही हैं।

सरकारी मदद से बीआरसी संचालन, गांव में बढ़ा प्रभाव - सविता को आत्मा परियोजना की ओर से सहयोग मिला और उनकी मदद से बायो रिसोर्स सेंटर का संचालन भी शुरू हुआ। इससे गांव में प्राकृतिक खेती के प्रति रुचि बढ़ी है। पहले गांव में केवल एक-दो किसान ही प्राकृतिक खेती करते थे, लेकिन अब बीआरसी खुलने और सविता के प्रयासों से कई किसान जैविक आदानों के उपयोग की ओर बढ़ रहे हैं। रासायनिक खाद और कीटनाशकों पर उनकी निर्भरता कम हो रही है।

दूसरे किसानों के लिए बनीं प्रेरणा - सविता विश्वकर्मा की सफलता यह साबित करती है कि मेहनत, धैर्य, प्रशिक्षण और सही तकनीक के सहारे प्राकृतिक खेती न केवल लागत कम कर सकती है, बल्कि किसानों की आय भी बढ़ा सकती है। साथ ही इससे मिट्टी की सेहत, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की भी रक्षा होती है। सविता आज अपने गांव और आसपास के किसानों के लिए एक मिसाल बन चुकी हैं।

अब रोजगार के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा, बमौरी के युवाओं को यहीं मिलेगा कौशल और अवसर- केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

गुना/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को बमौरी विधानसभा क्षेत्र के तिलवाड़ा में 14.74करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6ट्रेड आईटीआई मुख्य भवन, छात्रावास एवं आवास का तथा एमएसडी योजना अंतर्गत 2.39करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 33/11केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र, धानवाड़ी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि आस्था, विकास, प्रगति और अन्नदाता से जुड़ाव उनकी रग-रग में बसता है और इसी भावना से वे क्षेत्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तिलवाड़ा में आईटीआई की स्थापना उनका सपना था, जो आज साकार हुआ है।उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में क्षेत्र के प्रत्येक गांव तक सड़क और विद्युत सुविधाएं पहुंचाने का कार्य किया गया है। धानवाड़ी में बने नए विद्युत उपकेंद्र से लगभग 25गांवों को बेहतर बिजली आपूर्ति मिलेगी, जिससे सिंचाई, पेयजल, शिक्षा और रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने कहा कि आईटीआई में संचालित छह ट्रेड क्षेत्र के युवाओं के हुनर को राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का माध्यम बनेंगे। पहले युवाओं को तकनीकी शिक्षा और रोजगार के लिए अन्य जिलों अथवा राज्यों का रुख करना पड़ता था, लेकिन अब उन्हें अपने क्षेत्र में ही गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार और आपके हमारे सामूहिक प्रयासों से क्षेत्र का विकास निरंतर सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जब तक उन्हें जनता का आशीर्वाद मिलता रहेगा, क्षेत्र की प्रगति और विकास के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करते रहेंगे।

कार्यक्रम के अंत में श्री सिंधिया ने कहा कि आज का दिन सभी के लिए शुभ और मंगलमय है। उन्होंने मां निहाल देवी तथा इंद्र देवता का स्मरण करते हुए क्षेत्रवासियों को दोनों विकास कार्यों की सौगात पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सिंह सिकरवार, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरविन्द्र धाकड़, पूर्व मंत्री श्रीमहेन्द्र सिंह सिसौदिया, सांसद प्रतिनिधि श्री हरिसिंह यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं कलेक्टर श्री किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक श्रीमति हितिका वासल एवं अन्य अधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान हेतु जिले में सभी तैयारियाँ पूर्ण

जन-जागरूकता रैली निकालकर किया गया जन-आह्वान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय पल्स पोलियो कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 28 से 30 जून 2026 तक विशेष पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के कुल 2 लाख 13 हजार 504 बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने का उद्देश्य निर्धारित किया गया है। अभियान के सफल एवं प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिले में सभी आवश्यक तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा ने बताया कि अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में कुल 1,185 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 424 बूथ टीमें, 610 घर-घर भ्रमण टीमें, 44 ट्रांजिट टीमें तथा 7 मोबाइल टीमें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त अभियान की सतत निगरानी एवं प्रभावी पर्यवेक्षण के लिए मॉनिटरिंग एवं सुपरवाइजरी टीमों का भी गठन किया गया है।

उन्होंने बताया कि अभियान में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्व में ही प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। साथ ही जिले के सभी विकासखंडों में निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पोलियो वैक्सीन, आईस पैक, वैक्सीन कैरियर एवं अन्य आवश्यक लॉजिस्टिक सामग्री का वितरण भी पूर्ण कर लिया गया है, जिससे अभियान का संचालन सुचारू एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जा सके।

जन-जागरूकता रैली निकालकर नागरिकों से किया गया सहयोग का आह्वान- राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने एवं शत-प्रतिशत सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को जिला मुख्यालय झाबुआ में विशाल जन-जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली राजवाड़ा चौक से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों एवं बस स्टैंड क्षेत्र से होते हुए जिला चिकित्सालय झाबुआ पहुंचकर संपन्न हुई।

रैली में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन.के. पठान, डॉ. देवेंद्र भायल एवं डॉ. हेमंत देवड़ा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान, मीडिया प्रभारी श्री प्रेम कुमार डेनियल, जिला टीकाकरण दल के सदस्य, नर्सिंग छात्र-छात्राएं तथा आशा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों द्वारा जागरूकता नारों एवं संदेशों के माध्यम से नागरिकों को अपने बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद अवश्य पिलाने हेतु प्रेरित किया गया।

प्रथम दिवस बूथों पर एवं अगले दो दिन घर-घर पहुंचेगी स्वास्थ्य टीम- अभियान के प्रथम दिवस 28 जून 2026 को जिले के सभी निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को पोलियो रोधी दवा पिलाई जाएगी। इसके पश्चात 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर जाकर ऐसे बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य करेंगी, जो किसी कारणवश बूथों तक नहीं पहुंच पाए होंगे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा ने जिले के समस्त अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों को अभियान के प्रथम दिवस अपने नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य लेकर आएं तथा उन्हें पोलियो रोधी दवा की दो बूंद अवश्य पिलवाएं। उन्होंने कहा कि यदि किसी कारणवश बूथ तक पहुंचना संभव न हो तो घर-घर पहुंचने वाली स्वास्थ्य टीम को सहयोग प्रदान करते हुए बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं। उन्होंने कहा कि नागरिकों का सक्रिय सहयोग ही भारत को पूर्णतः पोलियो मुक्त बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आज से, नजदीकी पोलियो बूथ पहुंचकर बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। विदिशा जिले में 28 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभियान के सफल संचालन हेतु जिले के सभी विकासखंडों में बूथों, वैक्सीनेटरों एवं सुपरवाइजरों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जिला स्तर पर निर्धारित लक्ष्य के अनुसार कुल 2 लाख 23 हजार 512 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए जिले में 1,317 बी-टाइप बूथ, 439 सी-टाइप बूथ, 39 ट्रांजिट बूथ तथा 20 मोबाइल बूथ स्थापित किए जाएंगे। इस प्रकार जिले में कुल 1,815 बूथों के माध्यम से बच्चों तक पहुंच बनाई जाएगी। अभियान के संचालन के लिए 3,630 वैक्सीनेटर तथा 202 सुपरवाइजर नियुक्त किए गए हैं। सिरोंज विकासखंड में सर्वाधिक 34,311 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यहां 295 बूथ, 590 वैक्सीनेटर तथा 40 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। वहीं नटेरन और विदिशा ग्रामीण में 225-225 बूथों की व्यवस्था की गई है। बासौदा ग्रामीण में 28,114 बच्चों के लक्ष्य के लिए 237 बूथ, विदिशा शहरी में 26,059 बच्चों के लिए 205 बूथ तथा कुरवाई में 24,610 बच्चों के लिए 202 बूथ बनाए गए हैं। लटेरी में 160, ग्यारसपुर में 176 तथा बासौदा शहरी में 90 बूथ स्थापित किए जाएंगे।

अभियान के दौरान बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य आवागमन स्थलों पर ट्रांजिट बूथ स्थापित किए जाएंगे ताकि यात्रा कर रहे परिवारों के बच्चों को भी पोलियो की खुराक से वंचित न रहना पड़े। इसके अलावा दूरस्थ एवं विशेष क्षेत्रों तक पहुंचने के लिए मोबाइल बूथों की भी व्यवस्था की गई है।

स्वास्थ्य विभाग एवं जिला प्रशासन ने जिले के सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक की आयु के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं तथा पोलियो की दो बूंद पिलाकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित करें। अधिकारियों ने कहा है कि पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को बनाए रखने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी महत्वपूर्ण है। पल्स पोलियो अभियान के माध्यम से जिले के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पहुंच बनाकर उसे जीवनरक्षक पोलियो खुराक प्रदान करने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरी तत्परता से कार्य कर रही है।

जिले में रविवार को 3 लाख से अधिक बच्चों को पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में रविवार 28 जून को जन्म से 5 वर्ष के सभी बच्चों को जिंदगी की दो बूँद अर्थात पल्स पोलियो की दवा पिलाई जायेगी। जिले में अभियान की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने निर्देश दिए हैं कि ऐसे प्रयास करें कि जिले का कोई भी बच्चा पल्स पोलियो की दवा से वंचित न रहे। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि अपने बच्चों को पोलियो से बचाने के लिये नजदीकी बूथ पर जाकर पल्स पोलियो की दवा अवश्य पिलवाएं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एम.एस.सागर ने बताया कि ग्वालियर जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 28 जून से 30 जून तक चलाया जाएगा। 28 जून को पोलियो बूथ पर दवा पिलाई जायेगी। सभी अभिभावक प्रयास करें कि वे अपने बच्चों को पोलियो बूथ पर ही दवा पिलवाएं। जो बच्चे किसी कारणवश 28 जून को दवा नहीं पी पायेंगे, उनको 29 एवं 30 जून को घर-घर जाकर दवा पिलाई जायेगी। अभियान को अंजाम देने के लिये जिले में 2 हजार 356 पोलियो बूथ बनाए गए हैं। जिले में 3 लाख 30 हजार 399 बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान की मोनीटरिंग के लिये जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। ये सभी अधिकारी क्षेत्र में जाकर पोलियो बूथ टीम को सहयोग एवं मार्गदर्शन देंगे। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर.के.गुप्ता ने बताया कि पल्स पोलियो के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिये शनिवार 27 जून को शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ पल्स पोलियो की रैली निकाली गई। साथ ही प्रचार रथ के माध्यम से भी लोगों को जागरूक किया गया।

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु कलेक्टर ने मैदानी अमले की व्यापक समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट द्वारा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत पदस्थ समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम, बीसीएम तथा जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में मातृत्व स्वास्थ्य, शिशु स्वास्थ्य, एनसीडी (गैर-संचारी रोग), हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर तथा आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर डॉ. भरसट ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य विभाग की समस्त योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की सुविधाओं का लाभ पहुंचाया जाए।

मातृत्व स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष फोकस- कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक गर्भवती महिला का प्रथम त्रैमास में शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं (एचआरपी) की समय पर पहचान कर उनकी जानकारी एएनएमओएल पोर्टल पर दर्ज की जाए तथा नियमित रूप से फॉलो-अप किया जाए। उन्होंने प्रत्येक गर्भवती महिला की निर्धारित एएनसी जांच एवं संस्थागत प्रसव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रसवोत्तर माताओं के समयबद्ध गृह भ्रमण एवं फॉलो-अप पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि मातृ मृत्यु के प्रत्येक प्रकरण का गंभीरता से विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश- बैठक में कलेक्टर ने निर्देशित किया कि प्रत्येक नवजात शिशु का जन्म के प्रथम सात दिवस के भीतर अनिवार्य गृह भ्रमण (एचबीएनसी) किया जाए। एसएनसीयू से डिस्चार्ज होने वाले तथा जोखिमग्रस्त नवजात एवं बच्चों का नियमित फॉलो-अप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने पूर्ण टीकाकरण, दस्तक अभियान तथा ओआरएस एवं जिंक वितरण कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक बाल मृत्यु प्रकरण का विश्लेषण कर कारणों की समीक्षा एवं आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने को कहा।

एनसीडी स्क्रीनिंग एवं हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश- कलेक्टर ने 30 वर्ष से अधिक आयु के सभी पात्र व्यक्तियों की गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की स्क्रीनिंग में शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह से पीड़ित मरीजों के नियमित उपचार एवं फॉलो-अप पर विशेष जोर दिया। सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर आवश्यक दवाइयों, जांच सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि एनसीडी पोर्टल पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध डेटा प्रविष्टि की जाए।

आयुष्मान भारत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल- बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनाए जाएं तथा पात्र मरीजों को कैशलेस उपचार सुविधा का लाभ प्रभावी रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा अधिक से अधिक हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाए।

बैठक में स्वास्थ्य नोडल अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर श्रीमती रीतिका पाटीदार, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एम.एल. चोपड़ा, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एन.के. पठान, डॉ. देवेंद्र भायल एवं डॉ. हेमेंद्र देवड़ा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. जी.एस. चौहान, जिला क्षय अधिकारी डॉ. जितेंद्र बामनिया, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री आर.आर. खन्ना, सीपीएचसी सलाहकार श्री कैलाश चरपोटा, जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर श्री मुकेश यादव सहित स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना के ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक मान्य होंगे

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से संचालित मुख्यमंत्री दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन 31 अगस्त तक किये जा सकेंगे। योजना के प्रभावी संचालन के लिए एनआईसी मध्यप्रदेश के सहयोग से स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन प्रणाली विकसित की गई है, जिसके माध्यम से पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। ग्वालियर जिले के दिव्यांग विद्यार्थियों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की गई है। विद्यार्थियों से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2026 निर्धारित की गई है। प्राप्त आवेदनों के परीक्षण एवं स्वीकृति-अस्वीकृति की प्रक्रिया 15 सितम्बर 2026 तक पूर्ण की जाएगी। योजना के अंतर्गत अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थी पात्रतानुसार स्वयं स्पर्श पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही जिला कार्यालयों में प्राप्त ऑफलाइन आवेदनों को भी संयुक्त अथवा उप संचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों का परीक्षण जिला स्तर पर किया जाएगा। पात्रता एवं नियमानुसार आवेदनों को स्वीकृत किया जाएगा तथा अपात्र पाए जाने वाले आवेदनों को अस्वीकृत किया जाएगा। योजना के तहत स्वीकृत हितग्राहियों को उनकी पात्रतानुसार सामग्री का वितरण विश्व दिव्यांग दिवस 3 दिसम्बर 2026 के अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया जाएगा। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने सभी पात्र दिव्यांग छात्र-छात्राओं से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन करने का आग्रह किया।

शासकीय महाविद्यालयों में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन आज से, विद्यार्थियों को मिलेगा ऑनलाईन आवेदन में सहयोग

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले के समस्त शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस बनाने हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला परिवहन कार्यालय द्वारा महाविद्यालयों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक छात्र-छात्राएं इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकें।

जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा ने बताया है कि शिविर आयोजन की तिथियां जारी हुई है।विभिन्न निर्धारित तिथियों में आयोजित होने वाले शिविरों में विभाग की ओर से श्री राजेन्द्र चंद्रवंशी, सहायक वर्ग-3 तथा श्री आशीष परिहार, कंप्यूटर ऑपरेटर उपस्थित रहेंगे। दोनों अधिकारी एवं कर्मचारी शिविर में आने वाले आवेदकों को लर्निंग लाइसेंस बनाने की पूरी प्रक्रिया में आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

लर्निंग लाइसेंस की प्रक्रिया पूर्णतः ऑनलाइन है। मध्यप्रदेश के निवासी आवेदकों को परिवहन विभाग के सारथी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। पुरुष आवेदकों के लिए दोपहिया अथवा चारपहिया वाहन के लर्निंग लाइसेंस हेतु निर्धारित शुल्क 225 रुपये है, जबकि दोनों श्रेणियों (दोपहिया एवं चारपहिया) के लिए 425 रुपये शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। महिला आवेदकों के लिए लर्निंग लाइसेंस पूरी तरह निःशुल्क है।

ऑनलाइन आवेदन के पश्चात आवेदक को ऑनलाइन परीक्षा देनी होगी, जिसमें 20 प्रश्न पूछे जाते हैं। इनमें से न्यूनतम 12 प्रश्नों के सही उत्तर देने पर आवेदक सफल घोषित किया जाता है और उसका लर्निंग लाइसेंस ऑनलाइन जनरेट हो जाता है। यह पूरी प्रक्रिया किसी भी कंप्यूटर सिस्टम, एमपी ऑनलाइन कियोस्क अथवा स्मार्ट मोबाइल फोन के माध्यम से पूरी की जा सकती है।

शिविर में आने वाले विद्यार्थियों एवं अन्य आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। निवास प्रमाण के लिए आधार कार्ड, जिसमें मोबाइल नंबर अपडेट हो, अथवा मतदाता पहचान पत्र तथा जन्मतिथि प्रमाण के लिए दसवीं कक्षा की अंकसूची या जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। जिला परिवहन कार्यालय ने महाविद्यालय प्रबंधन से अनुरोध किया है कि छात्र-छात्राओं को शिविर की जानकारी देकर अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित कराई जाए।

युवाओं के लिए सुनहरा अवसर आईटीआई में प्रवेश लेकर सवार जा सकता है भविष्य

बड़वानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। तकनीकी शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा एक महत्वपूर्ण अवसर सामने आया है। शासकीय आईटीआई बड़वानी जिला बड़वानी में सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन और चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया जारी है। इच्छुक अभ्यर्थी 30 जून 2026 तक आवेदन कर सकते हैं।

प्राचार्य श्री केतन मालवीया ने बताया कि 8वीं, 10वीं, और 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी दक्षता हासिल कर सकते हैं। आईटीआई का प्रशिक्षण युवाओं को न केवल रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराता है, बल्कि उन्हें उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप कुशल बनाता है। आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार मिलने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही अप्रेंटिसशिप के माध्यम से उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर वे अपने कौशल को और अधिक निखार सकते हैं। इसके अलावा स्वरोजगार के जरिए अपना व्यवसाय शुरू कर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता भी खुलता है। इसके साथ-साथ ही महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत् शीटें भी आरक्षित है। जिले कि युवतिया भी व्यवसाय स्टेनोग्राफर हिन्दी, कम्पुटर ऑपरेटर प्रोग्रामिंग आस्टेंट (कोपा) एवं तकनिकी ट्रेड में पंजियन करा सकती है।

प्राचार्य ने यह भी बताया कि आईटीआई प्रशिक्षण अग्निवीर भर्ती सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी युवाओं के लिए उपयोगी साबित होता है। ऐसे में यह प्रशिक्षण उनके करियर निर्माण की मजबूत नींव रख सकता है। युवाओं से अपील की गई है कि वे इस अवसर का लाभ प्राप्त कर सकते है।

खरीफ बोनी के बीच कृषि विभाग की बड़ी पहलः किसानों को उन्नत बीज वितरण के साथ दी गई तकनीकी जानकारी

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। खरीफ सीजन 2026 में किसानों को बेहतर उत्पादन और आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा उन्नत बीज वितरण एवं तकनीकी मार्गदर्शन का अभियान लगातार संचालित किया जा रहा है। कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड विदिशा द्वारा किसानों की मांग के अनुरूप विभिन्न योजनाओं के तहत गुणवत्तापूर्ण बीज उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे किसान समय पर बोनी कर अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें।

खरीफ बोनी के दौरान कृषि विस्तार अधिकारी श्री हेमंत गुप्ता द्वारा क्षेत्र के कृषकों से सीधे संपर्क कर उन्हें फसल उत्पादन से संबंधित आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। साथ ही किसानों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) योजना के अंतर्गत सोयाबीन एवं उड़द मिनीकिट के उन्नत बीजों का पात्रतानुसार वितरण किया गया।

बीज वितरण कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हो रहा है। इसी क्रम में जनपद पंचायत विदिशा की ग्राम पंचायत अहमदपुर कस्बा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरपंच श्री शिवचरण शर्मा एवं पंचायत सचिव श्री रामदयाल की उपस्थिति में किसानों को उन्नत बीज वितरित किए गए। जनप्रतिनिधियों ने किसानों को शासन की कृषि योजनाओं का लाभ लेने तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को केवल बीज उपलब्ध कराने तक सीमित न रहते हुए उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन, फसल प्रबंधन, उर्वरक उपयोग एवं कीट-रोग नियंत्रण संबंधी आवश्यक जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही विभाग द्वारा किसानों को बीज उत्पादन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आवश्यक पात्रता, दस्तावेजों की प्रक्रिया एवं ऑनलाइन पंजीयन संबंधी जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

उपसंचालक कृषि श्री सचिन जैन एवं प्रभारी वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री विशाल यादव के निर्देशन में विकासखंड में बीज वितरण का कार्य निरंतर जारी है। विभाग का लक्ष्य अधिक से अधिक किसानों तक उन्नत बीज पहुंचाकर खरीफ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि करना तथा किसानों की आय बढ़ाने में सहयोग करना है।

कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं और वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन सुनिश्चित करें।

जिला जेल में नशा मुक्ति कार्यक्रम आयोजित, आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग शिक्षा से कैदियों को मिला सकारात्मक जीवन का संदेश

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला जेल विदिशा में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग शिक्षा पर आधारित नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेल स्टाफ सहित सभी बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर नशामुक्त एवं सकारात्मक जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

जेल परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, आत्मचिंतन और सकारात्मक विचारों से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

कार्यक्रम में माउंट आबू से पधारे बीके राजू भाई, रीवा से बीके महेंद्र भाई विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारीज़ बालाजीपुरम सेवा केंद्र, विदिशा की बीके सपना दीदी द्वारा किया गया।

अपने प्रेरक उद्बोधन में बीके राजू भाई ने कर्मों के गहन रहस्य को सरल शब्दों में समझाते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्मों के माध्यम से अपने भविष्य का निर्माण करता है। उन्होंने बंदियों को नशे जैसी बुराइयों का पूर्णतः त्याग कर आत्मसम्मान, अनुशासन और आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित जीवन अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि वे भारत एवं नेपाल में ब्रह्माकुमारी सेवा केंद्रों, से स्कूलों एवं महाविद्यालयों तथा 1 कारागारों में आध्यात्मिक ज्ञान, योग शिक्षा, नशा मुक्ति एवं व्यक्तित्व विकास विषयों पर कार्यक्रमों के माध्यम से मार्गदर्शन दिया जा रहा है।

बीके सपना दीदी ने बंदियों से कहा कि वास्तविक सुख और शांति बाहरी साधनों से नहीं, बल्कि आत्मिक जागरूकता और सकारात्मक चिंतन से प्राप्त होती है। उन्होंने उपस्थित बंदियों को आत्मचिंतन, आत्मविश्वास और आत्मपरिवर्तन के माध्यम से जीवन में नई दिशा प्राप्त करने का संदेश दिया। साथ ही सभी को स्वयं खुश रहने और दूसरों को भी खुशी देने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान राजयोग मेडिटेशन एवं आध्यात्मिक जीवन शैली के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि आध्यात्मिकता व्यक्ति के भीतर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, जिससे वह नशे जैसी प्रवृत्तियों से दूर रहकर बेहतर जीवन की ओर अग्रसर हो सकता है।कार्यक्रम के समापन पर सभी बंदियों ने नशामुक्त, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प लिया।

रोगी कल्याण समिति की बैठक में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर महत्वपूर्ण निर्णय

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज श्रीमंत माधवराव सिंधिया जिला चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति की महत्वपूर्ण बैठक सिविल सर्जन कार्यालय के सभागार में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामहित कुमार, सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. अनूप वर्मा, समिति के सदस्यगण एवं जिला चिकित्सालय के चिकित्सक उपस्थित रहे।

बैठक का शुभारंभ पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ किया गया। इसके पश्चात अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार, मरीजों की सुविधा एवं आधारभूत संरचना को मजबूत बनाने से संबंधित विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा आवश्यक निर्णय लिए गए।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

प्रशासन द्वारा सिंहस्थ 2016 के अनुभव और सिंहस्थ 2028 के संकल्प पर कार्यशाला का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ महापर्व को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा आज शनिवार को सिंहस्थ 2016 के अनुभव और सिंहस्थ 2028 का संकल्प पर आधारीत कार्यशाला का आयोजन किया गया । मुख्यमंत्री डॉ यादव द्वारा कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। कार्यशाला में विगत सिंहस्थ 2016 में अपनी सेवाएं दे चुके वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा अपने अनुभव साझा किए गए तथा आगामी सिंहस्थ 2028 महापर्व के अंतर्गत की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में महत्पूर्ण सुझाव दिए गए।

संभागायुक्त एवं मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह द्वारा सभी का स्वागत किया गया और कार्यशाला के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी गई साथ ही सिंहस्थ 2028 के अंतर्गत चल रहे निर्माण कार्यो के बारे मे विस्तार से बताया गया।

इसके पश्चात ज्ञान साझाकरण सत्र में सिंहस्थ 2016 में संभागायुक्त उज्जैन रहे डॉ. रवींद्र पस्तोर ने कहा कि आगामी सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को सबसे पहले इवेंट मैनेजमेंट सीखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 की व्यवस्था में शामिल रहने वाले पुलिस, प्रशासन और अन्य विभाग के अधिकारी पहले सिंहस्थ के लिए खुद को तैयार करें। उज्जैन के इतिहास, परंपरा, भौगोलिक स्थिति के साथ विगत सिंहस्थ के आयोजन को अध्ययन करें।

डॉ. पस्तोर ने सुझाव दिया कि अधिकारी स्टेंडअप मीटिंग प्रारंभ करें। जहां सिंहस्थ के कार्य हो रहे है या होने हैं, वहीं उपस्थित होकर अधिकारियों से चर्चा करें और सुझाव भी लें। फील्ड पर उपस्थित होकर हर व्यक्ति से अनुभव के आधार पर सुझाव लेकर बेहतर प्लानिंग की जा सकती है।

फादर टॉम जार्ज को पी.एच.डी. की उपाधि

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलॉम विश्वविद्यालय, इन्दौर द्वारा फादर टॉम जार्ज, निदेशक, मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय, उज्जैन को 12 जून 2026 को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। उन्होंने डॉ. दीप नारायण सिंह, शिक्षा विभाग के निर्देशन में शिक्षा के विषय- मध्य प्रदेश विकलांग सहायता समिति द्वारा संचालित विद्यालयों में अध्ययनरत विभिन्न स्तरों के बौद्धिक दिव्यांग विद्यार्थियों पर जीवन कौशल कार्यक्रम के प्रभाव का एक अध्ययन÷ पर शोध उपाधि प्राप्त की है। फादर टॉम के इस उपलब्धि पर मनोविकास परिवार एवं परिजनों ने बधाई दी है।

नगर निगम की तंगी के बीच पार्षदों का गोवा-मुंबई दौरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद निगम के आठ पार्षदों और तीन-चार अधिकारियों का दल जल्द ही गोवा और मुंबई के दौरे पर जाएगा। यह दौरा शहर में निकलने वाले कचरे, वेस्ट कपड़ों और अन्य अपशिष्ट के आधुनिक निष्पादन की व्यवस्था का अध्ययन करने के लिए प्रस्तावित है। संभावना है कि दल जून के अंत या जुलाई के पहले सप्ताह में रवाना होगा। गोवा और मुंबई के कचरा प्रबंधन स्टडी टूर में भाजपा के पांच और कांग्रेस के तीन पार्षद शामिल किए गए हैं। भाजपा की ओर से एमआईसी सदस्य सत्यनारायण चौहान, आशिमा गौरव सेंगर, दिलीप परमार, निर्मला करण परमार और हेमंत गेहलोत शामिल हैं। कांग्रेस की ओर से नेता प्रतिपक्ष रवि राय ने निकिता परमार, सपना सांखला और जितेंद्र कुवाल के नाम भेजे हैं। सूत्रों के अनुसार कुछ महिला पार्षदों ने अपने पतियों को भी साथ ले जाने की इच्छा जताई है। हालांकि इस संबंध में अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। नगर निगम का कहना है कि देश के विभिन्न शहरों में कचरा और वेस्ट मटेरियल के निपटान के अलग-अलग मॉडल अपनाए जा रहे हैं। इन्हीं व्यवस्थाओं का अध्ययन कर उज्जैन में बेहतर कचरा प्रबंधन की संभावनाएं तलाशने के उद्देश्य से यह अध्ययन दौरा प्रस्तावित किया गया है। वहीं, निगम की आर्थिक स्थिति को देखते हुए इस दौरे को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा भी शुरू हो गई है।

मलेरिया निरोधक माह के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मलेरिया निरोधक माह जून 2026 के अंतर्गत विकासखण्ड से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक जनजागरूकता के लिए विगत 05 जून से वाहक जनित रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, फाईलेरिया एवं कालाजार की रोकथाम के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल एवं जिला मलेरिया अधिकारी श्री डी.एस. सिसोदिया के मार्गदर्शन में मलेरिया रथ का भ्रमण कराया जा रहा है।

कोचिंग सेंटरों और होटलों में आग से सुरक्षा के इंतजामों की जांच

खामियां मिलने पर 20 संस्थानों को थमाए नोटिस

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नगर निगम के फायर विभाग ने शुक्रवार से कोचिंग सेंटरों और होटलों की जांच का विशेष अभियान शुरू कर दिया। अभियान के पहले दिन 60 से अधिक कोचिंग सेंटरों और होटलों में पहुंचकर फायर सुरक्षा इंतजामों और आवश्यक अनुमतियों के दस्तावेजों की जांच की गई। फायर अधिकारी लक्ष्मण प्रसाद साहू ने बताया कि जांच के दौरान 20 संस्थानों में फायर सुरक्षा नियमों और दस्तावेजों से जुड़ी कमियां पाई गईं। इन सभी संस्थानों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य कार्रवाई करना नहीं, बल्कि शहर के सार्वजनिक संस्थानों में अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन सुनिश्चित करना है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनहानि की आशंका न रहे। गौरतलब है कि उज्जैन शहर में 100 से अधिक कोचिंग सेंटर और 400 से ज्यादा होटल संचालित हैं। फायर विभाग का यह अभियान आगामी दिनों में भी जारी रहेगा और सभी संस्थानों की चरणबद्ध तरीके से जांच की जाएगी।

नाबालिग को टापरी में 15 दिनों से बना रखा बंधक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम कुमारड़ी से लापता 15 वर्षीय नाबालिग को 15 दिन बाद पुलिस ने खेत में बनी एक टपरी से खोज निकाला। नाबालिग को युवक बहला-फुसलाकर ले गया था और बंधक बनाकर रखा था। उसने नाबालिक को शादी का झांसा देकर कई बार गलत काम किया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है जिसके खिलाफ दर्ज अपहरण की धारा के साथ दुष्कर्म और पास्को एक्ट की धारा का इजाफा किया गया है। घटिया थाना क्षेत्र की रहने वाली बालिका 10 जून को लापता हो गई थी, जो मूल रूप से नागदा की रहने वाली थी बालिका का परिवार थाना क्षेत्र के ग्राम में खेत पर हाली का काम करता है। बालिका के लापता होने पर परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में अपहरण का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई।

थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि बालिका की तलाश के लिए साइबर सेल की मदद ली। परिवार और संदेही लोगों के मोबाइल कॉल डिटेल खंगालने पर एक संदिग्ध नंबर सामने आया। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस करते हुए ग्राम बड़ौद में दबिश दी और वहां से आरोपी धर्मेंद्र पिता करण सिंह नायक 20 साल निवासी किशनपुरा, थाना कानड़, जिला आगर) को धरदबोचा। साथ ही नाबालिग लड़की को भी अपने कब्जे में लिया। नाबालिग से पूछताछ करने पर सामने आया कि धर्मेंद्र और नाबालिग के बीच फोन पर बातचीत होती थी।

10 जून को आरोपी उसे बहला-फुसलाकर ग्राम कोटड़ी ले गया। वहां एक खेत में बनी टापरी (झोपड़ी) में आरोपी ने नाबालिग के साथ 3 से 4 बार दुष्कर्म किया और 10 दिनों तक उसे पत्नी बनाकर रखा। पकड़े जाने के डर से आरोपी ने अपना मोबाइल और सिम कार्ड तोड़कर जंगल में फेंक दिए थे। थाना प्रभारी के अनुसार मामला नाबालिग से जुड़ा होने और के साथ गलत काम होने की बात सामने आने पर आरोपी के खिलाफ धारा 64(2) एम, 65(1), 87 भारतीय न्याय संहिता एवं 5 एल/6 पाक्सो एक्ट का इजाफा किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

उज्जैन से दिग्विजय का केंद्र, संघ और विहिप पर तीखा हमला

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने शनिवार को उज्जैन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान राम मंदिर दान मामले को लेकर केंद्र सरकार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज करने की मांग की। साथ ही कहा कि ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है, इसलिए इसकी जवाबदेही भी उन्हीं की है।

देवास रोड स्थित सर्किट हाउस में पत्रकारों से चर्चा करते हुए दिग्विजय सिंह ने राम मंदिर में दान गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हुए दिग्विजय सिंह ने आरएसएस और विहिप पर धर्म की बजाय सत्ता की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि चांदी की ईंट, जेवर, नकदी और विदेशी चंदे के मामलों में अनियमितताएं सामने आई हैं तथा इस पूरे मामले में ट्रस्टियों के खिलाफ कार्रवाई होना चाहिए। उन्होंने प्रेस वार्ता के दौरान कुछ दस्तावेज भी मीडिया के सामने प्रस्तुत किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि धार्मिक परंपराओं का पालन नहीं किया गया। उन्होंने चंपत राय सहित ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग दोहराई। साथ ही घोषणा की कि कांग्रेस इस मुद्दे को उज्जैन जिले की 609 पंचायतों तक ले जाएगी और समितियों के माध्यम से घर-घर जनजागरण अभियान चलाएगी।

महाकाल मंदिर की व्यवस्था पर भी हमला बोलते हुए दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि मंदिर की जमीन पर संघ से जुड़ी संस्थाओं का कब्जा है और साधु-संतों की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि भस्म आरती में भी प्रभावशाली संगठनों की सिफारिश चलती है। साथ ही इंदौर-उज्जैन मेट्रोपॉलिटन रीजन के नामकरण विवाद में उन्होंने इंदौर का नाम पहले रखने की वकालत की।

मोबाइल से हुई शिप्रा नदी से मिली लाश की पहचान

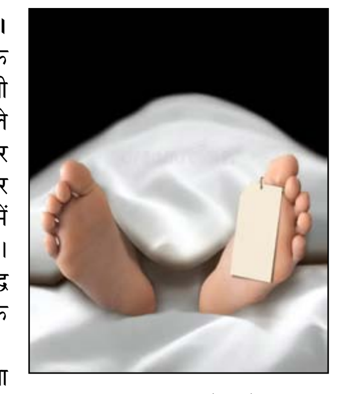

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षिप्रा नदी गुरूवार-शुक्रवार रात एक वृद्ध की लाश बरामद की गई थी जिसकी पहचान उसके पास मिले मोबाइल के आधार पर की गई। इंदौर और ग्वालियर में रहने वाला परिवार उज्जैन पहुंच जिनकी मौजूदगी में पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया। फिलहाल स्पष्ट नहीं हुआ है कि वृद्ध ने आत्महत्या की है या फिर उनके साथ हादसा हुआ है।

महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि शिप्रा नदी में दो दिन पहले आधी रात को रामघाट पर एक लाश पानी में बहती हुई दिखाई दी थी। सूचना मिलने पर पुलिस रामघाट पहुंची और होमगार्ड जवानों की मदद से लाश को बाहर निकाला गया। मृतक 70 साल से अधिक का लग रहा था जिसने पैंट शर्ट पहन रखा था। उनके पास से मोबाइल और कुछ रुपए मिले। रात में लाश को अस्पताल पहुंचाया गया। मोबाइल के आधार पर पहचान के प्रयास शुरू किए गए और उसमें लगी सिम को दूसरे मोबाइल में डालकर परिजनों का पता लगाने के प्रयास शुरू किया गया। इस दौरान कुछ नंबरों पर चर्चा के बाद सामने आया कि मृतक ग्वालियर का रहने वाला उदय कुमार पिता कमलाकर है। जो कुछ दिन पहले धार्मिक यात्रा पर जाने का बोलकर घर से निकला था। पुलिस ने परिजनों को सूचना दी इंदौर और ग्वालियर से परिवार और रिश्तेदार के कुछ लोग उज्जैन पहुंचे। जिनकी मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराया गया। बताया जा रहा है कि लाश डेढ़ से 2 दिन पुरानी थी। ऐसा प्रतीत हो रहा था कि शिप्रा का जल स्तर बढ़ने पर बहकर रामघाट तक पहुंची है। जांच और परिजनों के बयान के बाद ही घटना स्पष्ट हो पाएगी।

गर्भवती महिलाओं की सहायता के लिए सुमन सखी चैटबॉट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान सही स्वास्थ्य सलाह देने के लिए सुमन सखी चैटबॉट की खास सेवा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेन्ट कॉर्पोरेशन के माध्यम से प्रारंभ की गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा जानकारी दी गई कि सुमन सखी चैटबॉट महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव और शासकीय योजना की जानकारी जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए एक डिजिटल सुविधा है। एआई तकनीक पर आधारित यह चैटबॉट प्रेग्नेंसी से लेकर नवजात शिशु की देखभाल तक सभी स्वास्थ्य समस्याओं की जानकारी देता है। सुमन सखी चैटबॉट को महिलाओं की डिजिटल दीदी भी कहा जा सकता है। यह चैटबॉट हिंदी भाषा में 24 घंटे उपलब्ध है। खासतौर पर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों की महिलाओं को समय पर जानकारी देने में यह मददगार है। इस चैटबॉट के जरिए महिलाएं 97709-05942 नंबर पर व्हाट्सएप मैसेज भेज कर बातचीत शुरू कर सकती हैं। इस नंबर पर महिलाओं को बस नमस्कार या प्रश्न पूछना चाहती हूं लिखने पर चौटबॉट मेन्यू उपलब्ध हो जाता हैं, जिसमें गर्भावस्था एवं जांच, गर्भावस्था खतरे के संकेत, गर्भवती महिला का पंजीकरण, प्रसव एवं तैयारी, नवजात शिशु की देखभाल, स्वास्थ्य केन्द्र की जानकारी, शासकीय योजना की जानकारी एवं हेल्पलाइन नंबर जैसी जानकारियां दी जाती हैं। इस चैटबॉट की खास बात यह है कि यह पूरी तरह गोपनीय है, जिससे महिलाएं बिना झिझक अपनी समस्याएं साझा कर जानकारी प्राप्त कर सकती हैं। यह पूरी तरह से हिंदी भाषा में उपलब्ध है। यहां सरकारी योजनाओं की जानकारी भी प्राप्त होती है और आपातकालीन स्थिति में मार्गदर्शन भी मिलता है। सुमन सखी चैटबॉट का उपयोग करने के लिए केवल अपने मोबाइल में 97709-05942 नंबर सेव करें और वॉट्सएप पर नमस्ते लिखकर भेजें। यह नंबर अपने मोबाइल में सेव करते ही एक संदेश वॉट्सएप पर दिखाई देगा, आगे के निर्देशों का पालन करते हुए आप को संबंधित समस्त जानकारी प्राप्त हो जाएगी।

नाले में मिली 30 साल के युवक की लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शनिवार सुबह इंगोरिया थाना क्षेत्र के ग्राम बलेडी में नाले में एक युवक की लाश बड़ी होने की खबर मिलते ही लोगों की भीड़ जमा हो गई पुलिस घटना स्थल पहुंची और लाश को बाहर निकाला गया। जिसकी पहचान गांव के शराबी युवक के रूप में हुई।

इंगोरिया थाना प्रभारी दीपेश व्यास ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस बलेडी पहुंची थी। नाले में पड़ी लाश को बाहर निकाला गया। कुछ देर बाद ही मृतक की पहचान गोवर्धनलाल पिता बगदीराम मोगिया 30 साल निवासी बलेडी के रूप में हो गई। थाना प्रभारी के अनुसार गांव वालों से पूछताछ करने पर सामने आया कि गोवर्धन शराब पीने का आदी था और गांव में लोगों के यहां काम मिलने पर कर लेता था। उसके परिवार में माता-पिता, पत्नी बच्चे कोई नहीं है। पुलिस की जांच टीम के अनुसार घटनास्थल से कोई ऐसे साक्ष्य नहीं मिले हैं जिससे मृतक के साथ अप्रिय घटना होना स्पष्ट हो।

आशंका है कि नशे की हालत में वह पानी से भरे नाले में गिरा है और उसकी डूबने से मौत हुई है। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।

उज्जैन में रामघाट की तरह 'यूनिटी मॉल घाट' पर भी नियमित होगी मोक्षदायिनी मां शिप्रा की आरती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक-पर्यटन नगरी उज्जैन में मां शिप्रा की आरती का दायरा अब रामघाट से आगे बढ़ने जा रहा है। इंदौर रोड पर 284 करोड़ रुपये से निर्माणाधीन 'यूनिटी मॉल' के पीछे विकसित घाट पर भी प्रतिदिन नियमित मां शिप्रा की महाआरती कराने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड (यूएससीएल) ने एजेंसी चयन की प्रक्रिया शुरू की है।

योजना के अनुसार यहां रोज शाम वैदिक मंत्रोच्चार, शंखनाद, दीप आरती और पारंपरिक धार्मिक अनुष्ठानों के साथ मां शिप्रा की भव्य आरती होगी। इससे महाकाल दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को रामघाट के अलावा एक और प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र मिलेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पूरी व्यवस्था सरकारी खर्च पर नहीं, बल्कि पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) माडल पर संचालित होगी। चयनित एजेंसी को आरती का संपूर्ण संचालन अपने संसाधनों से करना होगा। इसमें पुजारी, सेवक, आरती सामग्री, साउंड सिस्टम, लाइटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था सहित सभी खर्च शामिल रहेंगे। स्मार्ट सिटी इसके लिए अलग से कोई भुगतान नहीं करेगी।

टेंडर दस्तावेज के अनुसार एजेंसी की आय का प्रमुख स्रोत टिकटिंग रहेगा। एजेंसी को आरती स्थल पर विशेष दर्शक दीर्घा या प्राइम व्यूइंग एरिया के लिए टिकट बेचने की अनुमति होगी। हालांकि सामान्य श्रद्धालुओं के लिए गैर-टिकट क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क रहेगा। इसके अलावा सक्षम प्राधिकरण की अनुमति से कुछ अन्य आय स्रोत भी विकसित किए जा सकेंगे, लेकिन यह सुनिश्चित करना होगा कि धार्मिक गरिमा और जनहित प्रभावित न हों।

इस मॉडल की खासियत यह है कि एजेंसी केवल आय अर्जित नहीं करेगी, बल्कि उसे हर माह उज्जैन स्मार्ट सिटी लिमिटेड को निर्धारित प्रीमियम भी देना होगा। टेंडर में वित्तीय चयन का आधार यही रखा गया है। जो पात्र एजेंसी सबसे अधिक मासिक प्रीमियम देने की पेशकश करेगी, उसे प्राथमिकता मिलेगी।

दिल्ली से पकड़ाया ठगी की राशि करते थे गोल्ड खरीदी करने वाला आरोपी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सायबर ठगी की राशि से गोल्ड खरीदी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का चौथा साथी दिल्ली से पुलिस की गिरफ्त में आ गया। जिससे पूछताछ जारी है, गिरोह से जुड़े अन्य साथियों की तलाश में पुलिस अब बिहार जा सकती है।

घासमंडी चौराहा पर डीपीके गोल्ड शोरूम से 6 जून को फर्जी नाम अनुराग कहार द्वारा 95 हजार का गोल्ड क्वाइन खरीदा गया था। भुगतान क्यूआर कोड से किया गया। कुछ दिन बाद गोल्ड शोरूम का खाता होल्ड कर दिया गया। जानकारी सामने आई कि सायबर ठगी की राशि का ट्रांजेक्शन हुआ है। शोरूम प्रबंधक ने माधवनगर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फुटेज और खरीदी करने वालों का रूट ट्रेस कर 18 जून को सखीपुरा स्थित होटल हीरा पैलेस में दबिश देकर नर्मदापुरम के रहने वाले कशिश पिता सुनील, राहुल उर्फ शानू पिता अरुण और अनिमेश उर्फ अनुराग उर्फ अन्नी पिता अभय को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय में पेश कर 21 जून तक रिमांड पर लिया। इस दौरान पता चला कि सायबर ठगी की राशि से गोल्ड खरीदते थे। दिल्ली में बैठे साथी मोबाइल अपडेट करने के नाम पर फर्जी लिंक भेजकर लोगों के खाते से राशि उड़ाते है। तीनों ने उज्जैन के चार ज्वेलर्स से ठगी की राशि से गोल्ड खरीदा है। इसी आधार पर एक टीम दिल्ली रवाना की गई थी, जहां 3 से 4 दिनों की तलाश के बाद ठगी में शामिल चौथे आरोपी शौकत गौड़ को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है। जिससे रिमांड पर पूछताछ जारी है। उज्जैन पुलिस की हिरासत में आये अंतर्राज्यीय स्तर पर ठगी कर राशि से गोल्ड खरीदने का मामला सामने आने के बाद भोपाल के चार ज्वेलर्स भी सामने आये थे। जिनके खातों में क्यूआर कोड से ठगी की राशि का ट्रांजेक्शन हुआ था और उनके खाते होल्ड हो गये थे। भोपाल हबीबगंज पुलिस ने 2 ज्वेलर्स की शिकायत पर कुछ दिन पहले प्रकरण दर्ज किया है।

उज्जैन पुलिस की अवैध हथियारों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई जारी, थाना महाकाल एवं कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों को धारदार हथियारों सहित किया गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस द्वारा शहर में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अवैध हथियार रखने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 26.06.2026 को थाना महाकाल एवं थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को अवैध धारदार हथियारों के साथ पकड़ा गया तथा उनके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किए गए।

प्रथम कार्रवाई- थाना महाकाल- थाना महाकाल पुलिस को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति बंद हाट बाजार स्थित स्मार्ट पार्किंग के पास अवैध धारदार चाकू लेकर किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की गई, जहां से फरदीन उर्फ माया पिता फिरोज खान, उम्र 22 वर्ष, निवासी बेगमबाग, उज्जैन को पकड़कर तलाशी ली गई। उसके कब्जे से एक लोहे का धारदार तड़तड़ीदार चाकू बरामद हुआ, जिसके संबंध में वह कोई वैध लाइसेंस प्रस्तुत नहीं कर सका। आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड की जांच करने पर उसके विरुद्ध थाना महाकाल में पूर्व से 09 आपराधिक प्रकरण दर्ज होना पाए गए। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध धारा 25 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

द्वितीय कार्रवाई- थाना महाकाल- इसी दिन थाना महाकाल पुलिस को एक अन्य विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई कि कैनरा बैंक, घीमंडी क्षेत्र में एक युवक अवैध धारदार चाकू लेकर संदिग्ध अवस्था में खड़ा है।

कलेक्टर ने सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ समय बिताया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह गत दिवस सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र स्वेज फॉर्म पहुंचे। केंद्र के बच्चे उस समय खुशी से झूम उठे जब उन्हें कलेक्टर श्री सिंह द्वारा अपने हाथों से भोजन परोसा गया और उनके साथ समय बिताया गया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांस कुमट भी उपस्थित थे ।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री बृजेश त्रिपाठी ने बताया कि जिले के 594 आंगनबाड़ियों को सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में चयनित किया गया है जहां टीवी, वाटर प्यूरीफायर, पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसी सुविधाएं एक साथ मिलेंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा इन्हें दो चरणों में विकसित करने का अभियान चलाया जा रहा है।

जिले की इन सक्षम आंगनबाड़ियों को भारत सरकार के सक्षम आंगनबाड़ी मिशन पोषण अभियान 2.0 के अंतर्गत अपनाया गया है। जिनके लिए भारत सरकार के संयुक्त सचिव महिला बाल विकास विभाग का भी गत दिनों भ्रमण हो चुका है ।

कलेक्टर श्री सिंह ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को जिले में समस्त सक्षम आंगनबाड़ी केंद्रों को विभाग द्वारा निर्धारित समयबद्ध ढंग से समुचित व्यवस्थाओं को पूर्ण कराने के निर्देश देते हुए सभी आवश्यक घटको की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी दिया।

कलेक्टर श्री सिंह ने आंगनवाड़ियों के माध्यम से कुपोषण निवारण, पोषण भी पढ़ाई भी, अनौपचारिक शिक्षा व ईसीसीई , बच्चों , गर्भवती शिशुवती मां को बेहतर स्वास्थ्य जांच टीकाकरण सेवाओं का नियमित प्रदाय व समय सारणी अनुसार देने के लिए उपस्थित पर्यवेक्षक श्रीमती वंदना गुप्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को भी आदेशित किया।

इस्कॉन में स्नान पूर्णिमा महोत्सव के साथ होगा जलगंगा संवर्द्धन अभियान का समापन उत्सव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस्कॉन मंदिर में आगामी 29 जून सोमवार को भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की दिव्य स्नान पूर्णिमा (स्नान यात्रा) अत्यंत श्रद्धा एवं भव्यता के साथ मनाई जाएगी। इस वर्ष का यह उत्सव विशेष रूप से मध्यप्रदेश शासन द्वारा गत चार माह से संचालित ''जलगंगा संवर्द्धन अभियान'' के समापन उत्सव के रूप में भी आयोजित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्रदेशभर में जल संरचनाओं की स्वच्छता, गहरीकरण एवं पुनरुद्धार के व्यापक कार्य किए गए हैं।